संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 262
पृष्ठ 8
शुक्रवार
12 जून 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- इन यूनिक तरीकों से दीजिए...

विचार- इंडिया गठबंधन की बैठक का...

खेल- बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन का...

नीति आयोग की बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा-

सशक्त युवा ही भारत की विकास यात्रा को नई गति देंगे

नई दिल्ली,एजेंसी। नीति आयोग की शासी परिषद की 11वीं बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक अनिश्चितता और अस्थिरता के दौर में भी भारत की मजबूत विकास यात्रा पर भरोसा जताते हुए कहा कि देश आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय, सहयोग और साझा जिम्मेदारी बेहद आवश्यक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सहकारी संघवाद की भावना ही भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। हम आपको बता दें कि नयी दिल्ली में राष्ट्रपति भवन स्थित संस्कृति केंद्र में आयोजित इस बैठक का मुख्य विषय "विकसित भारत 2047 के लिए समावेशी मानव विकास" रखा गया, जिसके अंतर्गत देश के हर नागरिक के विकास,

सम्मान और समान अवसरों पर विशेष ध्यान दिया गया। बैठक में देशभर के मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल शामिल हुए तथा समावेशी मानव विकास ढांचे के चार प्रमुख स्तंभों पर चर्चा हुई। इनमें बुनियादी मानव पूंजी और भविष्य के लिए तैयार कौशल, उत्पादक रोजगार और उद्यमिता, स्वास्थ्य तथा पोषण और सभी के लिए समानता एवं गरिमा जैसे विषय शामिल रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत का जनसांख्यिकीय लाभ देश के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है और इसे गंवाया नहीं जा सकता। उन्होंने युवाओं को विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मांग आधारित कौशल विकास और व्यापक रोजगार अवसरों का निर्माण सरकारों की सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि सशक्त युवा ही भारत की विकास यात्रा को नई गति देंगे। बैठक में उद्यमिता को बढ़ावा देने, कौशल विकास को मजबूत करने और टिकाऊ रोजगार के अवसर पैदा करने के उपायों पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं, जिनसे निर्यात और आर्थिक विकास के नए अवसर पैदा हुए हैं। उन्होंने कहा कि इन समझौतों से सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनने का अवसर मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन और गुणवत्ता सुधार के माध्यम से भारतीय उद्योग विश्व बाजार में अपनी मजबूत पहचान बना सकते हैं। महिला सशक्तीकरण पर विशेष जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि महिला नेतृत्व वाला विकास विकसित भारत की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि खेती, नवाचार, विज्ञान, उद्योग और नवउद्यम जैसे क्षेत्रों में नारी शक्ति का योगदान लगातार बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने राज्यों से महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा, कौशल विकास और आर्थिक सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की। उनका कहना था कि महिलाओं की पूरी क्षमता का उपयोग किए बिना भारत का समग्र विकास संभव नहीं है। बैठक में शासन व्यवस्था, डिजिटल सार्वजनिक ढांचे और साझेदारी को विकास के प्रमुख साधन के रूप में रेखांकित किया गया। साथ ही जवाबदेही और परिणाम आधारित कार्यप्रणाली पर भी बल दिया गया ताकि विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। शासी परिषद ने दिसंबर 2025 में आयोजित मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन की सिफारिशों पर भी विचार किया। हम आपको यह भी बता दें कि वैसे तो बैठक में तमाम राज्यों के मुख्यमंत्री आये लेकिन कर्नाटक के नये मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की उपस्थिति ने सबका ध्यान खींचा। दरअसल कर्नाटक की कांग्रेस सरकार की ओर से पिछले कुछ वर्षों में नीति आयोग की बैठकों से दूरी बनाए रखने की परंपरा के विपरीत शिवकुमार ने इस बार बैठक में भाग लेने का निर्णय लिया।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

गृहणियों को 'राष्ट्र निर्माता' मानकर 30,000 रु. मासिक मुआवजा

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि सड़क हादसों में जान गंवाने वाली गृहिणियों के काम की कीमत कम से कम 30,000 रुपये महीना मानी जानी चाहिए। मुआवजे की गणना करते समय इस राशि को आधार करना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा की कि गृहिणियों को राष्ट्र निर्माता के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए। देश भर में मोटर दुर्घटना के मामलों में मुआवजा तय करने के तरीके को बदलने वाले इस अहम फैसले में, जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने होममेकर्स की काल्पनिक आय को कुशल मजदूरों की मजदूरी के बराबर मानने की पुरानी न्यायिक प्रथा को खारिज कर दिया। जिसमें गृहिणियों की आय को कुशल मजदूरों की दिहाड़ी के बराबर माना जाता था। कोर्ट ने कहा और आर्थिक अहमियत बहुत ज्यादा है। इसे केवल सामान्य मजदूरी के तराजू में नहीं तौला जा सकता। जस्टिस करोल ने फैसला सुनाते हुए कहा कि घरेलू देखभाल के नुकसान की भरपाई के लिए 30,000 रुपये का नया नियम बनाया गया है। यह राशि प्रणय सेठी केस में तय किए गए अन्य लाभों के अतिरिक्त होगी। यह मामला पंजाब की रेशमा नाम की महिला से जुड़ा है। उनकी मौत नवंबर 2001 में एक सड़क हादसे में हुई थी। उनके पति और तीन बच्चों ने मुआवजे के लिए खटखटाया था। ट्रिब्यूनल ने 2003 में फैसला दिया, लेकिन कानूनी लड़ाई वर्षों तक चलती रही। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने इस पर दिसंबर 2024 में फैसला सुनाया। हादसे के 23 साल बाद आए इस फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी चिंता जताई। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि मोटर एक्सीडेंट से जुड़े दावों का निपटारा आमतौर पर एक साल के भीतर हो जाना चाहिए। कोर्ट ने सभी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों से अनुरोध किया कि वे ऐसे मामलों की निगरानी करें।

ओमान की खाड़ी में जहाज पर हमले से मर्चेंट नेवी कैडेट आदित्य शर्मा का निधन, 6 माह पहले ज्वाइन की थी नौकरी

हमीरपुर,संवाददाता। नादौन उपमंडल के गांव सिमला दा ग्रां से एक अत्यंत दुखद समाचार सामने आया है। मर्चेंट नेवी में डेक कैडेट के रूप में कार्यरत आदित्य शर्मा (23) का ओमान की खाड़ी में एक समुद्री हादसे के दौरान निधन हो गया। उन्होंने 6 माह पहले ही नौकरी ज्वाइन की थी। इस दर्दनाक घटना से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है तथा परिवार पर दुरूखों का पहाड़ टूट पड़ा है। जानकारी के अनुसार आदित्य शर्मा एक तेल टैंकर पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। ओमान तट के समीप जहाज पर हुए हमले के दौरान यह हादसा हुआ। जहाज पर कुल 24 चालक दल के सदस्य सवार थे, जिनमें से 21 को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि आदित्य शर्मा की जान नहीं बच सकी। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। गांव सिमला दा ग्रां सहित आस पास के क्षेत्रों में मातम का माहौल है और हर कोई इस होनहार युवक के असामयिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त कर रहा है। आदित्य अपने परिवार की उम्मीदों और सपनों को साकार करने के लिए मर्चेंट नेवी में सेवाएं दे रहे थे। कम उम्र में ही उन्होंने अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाए थे, लेकिन दुर्भाग्यवश यह सफर बीच रास्ते में ही थम गया। विदेश मंत्रालय और जिला प्रशासन लगातार परिवार के संपर्क में हैं तथा पार्थिव शरीर को भारत लाने की प्रक्रिया जारी है। प्रशासन की ओर से परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया गया है। सांसद अनुराग ठाकुर ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि आदित्य शर्मा के निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायक और हृदयविदारक है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। उनहोंने कहा कि वह विदेश मंत्रालय और संबंधित अधिकारियों के संपर्क में हैं तथा पार्थिव शरीर को शीघ्र भारत लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। महज 23 वर्ष की आयु में आदित्य शर्मा का असामयिक निधन न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे हमीरपुर जिले के लिए अपूरणीय क्षति है। क्षेत्रवासी नम आंखों से अपने इस होनहार बेटे को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं।

जेवर से दुनिया तक नई उड़ान,नोएडा एयरपोर्ट संचालन का शुभारंभ

नोएडा,संवाददाता। जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट परिसर में आज दिनांक 11 जून 2026 को आयोजित पूजा समारोह के दौरान वैदिक मंत्रोच्चारण एवं विधि-विधान के साथ एयरपोर्ट के नए अध्याय का शुभारंभ किया गया। टर्मिनल फोरकोर्ट एरिया (ईस्ट साइड) में आयोजित इस धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं गणमान्य लोगों ने सहभागिता कर प्रदेश की उन्नति, समृद्धि एवं सफल संचालन की कामना की। इस अवसर पर जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि ष्नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट केवल एक हवाई अड्डे नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के विकास, निवेश, रोजगार और वैश्विक पहचान का प्रतीक बनने जा रहा है। माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश निरंतर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है तथा जेवर क्षेत्र आज विश्व पटल पर अपनी पहचान बना रहा है। जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने आगे कहा कि भारतीय संस्कृति में हर शुभ कार्य की शुरुआत पूजा-अर्चना एवं वैदिक परंपराओं के साथ करने की परंपरा रही है। इसी भावना के साथ एयरपोर्ट के नए चरण का शुभारंभ सकारात्मक ऊर्जा, आध्यात्मिक वातावरण एवं मंगलकामनाओं के बीच किया गया।

इण्डिया की बैठक पर अमित शाह का तंज

जातिवाद-वंशवाद की राजनीति का अंत

नयी दिल्ली,एजेंसी। इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद अब छव। गठबंधन भी अपने सहयोगियों के साथ बैठक की। इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री ने अमित शाह ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि श्जातिवाद-वंशवाद की राजनीति का अब अंत हो गया है। भारत की जनता अब पीएम मोदी पर अटूट भरोसा कर रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में राजनीतिक स्थिरता रही है। प्रधानमंत्री ने देशहित को हमेशा ऊपर रखा 2047 तक विकसित भारत का संकल्प है इस वजह से जनता ने उन पर अटूट भरोसा जता रही है। उन्होंने इंडिया गठबंधन की बैठक पर चुटकी लेते हुए कहा कि श्जातिवाद-वंशवाद की राजनीति का अंत हो गया है। आप को बता दें कि 08 जून को इंडिया गठबंधन की महत्वपूर्ण बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण

(एसआईआर), कथित वोट चोरी और चुनावी धांधली के मुद्दे पर भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि यह पत्र शीघ्र ही मुख्य न्यायाधीश को सौंपा जायेगा। खरगे ने कहा कि बैठक में प्रधान के तत्काल इस्तीफे की मांग सीबीएसई परीक्षाओं से जुड़े मामलों में लाखों छात्रों के हित प्रभावित हुए हैं।

उन्होंने बताया कि संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्षी दलों के बीच समन्वय को और मजबूत किया जायेगा तथा नेता प्रतिपक्ष के कार्यालय में प्रतिदिन सुबह बैठकें आयोजित की जायेंगी। इस बैठक में खड़गे ने कहा कि बैठक में शामिल 25 दलों के नेताओं ने पांच प्रस्तावों पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे और संजय राउत तथा झारखंड मुक्ति मोर्चा के हेमंत सोरेन बैठक में वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए और उन्होंने बैठक में लिये गये सभी निर्णयों पर अपनी सहमति व्यक्त की।

एमपी, गुजरात में भाजपा की निर्विरोध जीत

नयी दिल्ली,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मध्य प्रदेश की तीनों राज्यसभा सीटें जीत ली हैं। पार्टी के उम्मीदवार रजनीश अग्रवाल, तरुण चुघ और महेश केवट 2026 के चुनावों में निर्विरोध चुने गए। तीनों उम्मीदवारों को विधानसभा से जीत का सर्टिफिकेट मिल गया है। यह घटनाक्रम कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने से जुड़े विवाद के बीच हुआ है। नटराजन ने गुरुवार को मध्य प्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन रद्द किए जाने को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। इन तीन सीटों के लिए चुनाव 18 जून को होने थे। वहीं, गुजरात में राज्यसभा चुनावों को लेकर सबसे बड़ी और अहम खबर सामने आ रही है। राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सभी चार उम्मीदवार आधिकारिक तौर पर निर्विरोध चुन लिए गए हैं। नामांकन वापस लेने की समय-सीमा खत्म होते ही आज चुनाव अधिकारी ने इस बारे में आधिकारिक घोषणा कर दी है।

ये बेबुनियाद बातें हैं: कांग्रेस ने टीएमसी के विलय की खबरों का किया खंडन

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने गुरुवार को ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के कांग्रेस में विलय की खबरों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने इन चर्चाओं को पूरी तरह अफवाह और निराधार बताया है। वेणुगोपाल ने कहा, ये पूरी तरह से अफवाहें हैं। कल हमारे संचार सचिव ने भी इस पर स्थिति साफ कर दी थी। ये बातें बिल्कुल आधारहीन हैं। यह सच है कि ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी से मुलाकात की थी। लेकिन यह सिर्फ एक सामान्य शिष्टाचार और नियमित चर्चा थी। वेणुगोपाल ने आगे कहा, यह बैठक सिर्फ इंडिया गठबंधन की चर्चा का

एक विस्तार मात्र थी क्योंकि आज हर कोई इंडिया गठबंधन को मजबूत करना चाहता है। इस जनविरोधी और अलोकतांत्रिक सरकार के खिलाफ लड़ाई को हर कोई धार देना चाहता है। उन्होंने साफ लहजे में कहा, हम इस रास्ते पर साथ मिलकर आगे बढ़ेंगे। हमारी बातचीत का एकमात्र बिंदु यही था, इसके अलावा और कुछ नहीं। दरअसल, तृणमूल कांग्रेस के कांग्रेस में दोबारा विलय की अटकलों को तब बल मिला, जब तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी ने मंगलवार को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी से अकेले में मुलाकात की। इसके ठीक अगले दिन बुधवार को तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी ने भी नई दिल्ली में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से वन-टू-वन मुलाकात की थी। इन बैक-टू-बैक मुलाकातों के बाद सियासी गलियारों में कयासबाजी तेज हो गई थी हालांकि, पश्चिम बंगाल विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस विधायक दल के नए लेकिन बहुसंख्यक गुट के नेता और सदन में आधिकारिक नेता प्रतिपक्ष ऋतब्रत बनर्जी ने भी कांग्रेस और तृणमूल के विलय की किसी भी संभावना को साफ तौर पर खारिज कर दिया है।

शहर समता विचार मंच द्वारा ऑनलाइन काव्य गोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न

प्रयागराज। शहर समता विचार के तत्वावधान में आयोजित गूगल मीट द्वारा काव्य गोष्ठी रचना सक्सेना की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी में मीरा सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती माँ की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति साधना खरे द्वारा। काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया। इस काव्य गोष्ठी में सरिता कपूर, अफ़रोज़ अजीज, शशि जायसवाल, रेणुका पटेल, संतोष मिश्रा, पूनम

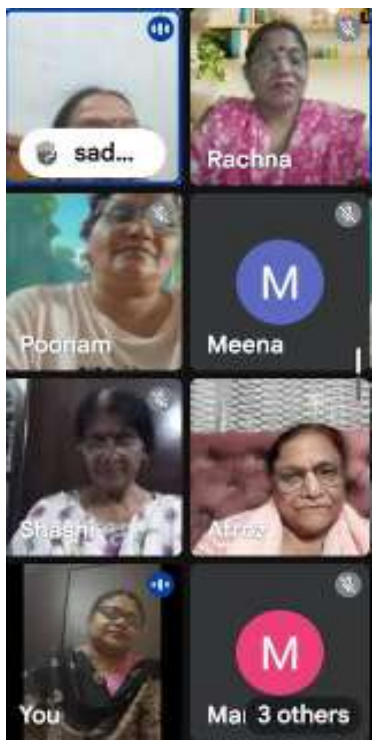

पांडे, मनोरमा श्रीवास्तव, डॉ अनुज बेगम, मीना कुमारी, रचनाकार बहनों ने सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। धन्यवाद ज्ञापन उमा मिश्रा प्रीति ने किया।

नीट पेपर लीक पर खड़गे ने केंद्र पर साधा निशाना, कहा

लाखों युवाओं का भरोसा डगमगाया

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) और कई भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों ने लाखों युवाओं और उनके परिवारों का भरोसा डगमगा दिया है। AICC की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद एक्स पर जानकारी साझा करते हुए खड़गे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की जिम्मेदारी सिर्फ राजनीतिक संघर्ष तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत के संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की रक्षा करना भी है। उन्होंने कहा कि देश महंगाई, बेरोजगारी, परीक्षा घोटालों और सामाजिक असमानता जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर

रहा है। पोस्ट में लिखा गया, 'आज देश महंगाई, बेरोजगारी, परीक्षा घोटालों और सामाजिक असमानता जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। नीट और विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों ने लाखों युवाओं और उनके परिवारों का भरोसा डगमगा दिया है। श्री राहुल गांधी ने व्यक्तिगत रूप से प्रभावित छात्रों और युवाओं से मुलाकात की है और देश के सामने उनकी आवाज मजबूती से रखी है। नीट में कथित पेपर लीक को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए खड़गे ने कहा कि शिक्षण संस्थानों और प्रणालियों को 'जानबूझकर कमजोर किया जा रहा है'। खड़गे ने लिखा, 'आज दुर्भाग्य से हम देख रहे हैं कि जिन संस्थानों और प्रणालियों को बनाने में दशकों लगे, उन्हें जानबूझकर कमजोर किया जा रहा है। इसलिए, हमारी जिम्मेदारी सिर्फ राजनीतिक संघर्ष तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत के संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की रक्षा करना भी है। उन्होंने मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा करने के लिए पार्टी के सभी महासचिवों, प्रभारियों और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों की बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, जयराम रमेश और केसी वेणुगोपाल शामिल हुए। बैठक में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई, मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी, तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष बोम्मा महेशकुमार गौड़, गोवा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिरीश चोडंकर और पंजाब कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वडिंग भी शामिल हुए।

हल–बैल लेकर किसानों ने भरी हुंकार, ब्लॉक मुख्यालय पर किया प्रदर्शन

प्रयागराज। हल–बैल के साथ सड़कों पर उतरे किसानों ने बुधवार को प्रतापपुर ब्लॉक मुख्यालय पर अपनी ताकत का प्रदर्शन करते हुए प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के बैनर तले जुटे किसानों ने गांवों की अनदेखी और लंबित समस्याओं पर नाराजगी जताते हुए चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर मांगों का निस्तारण नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन के बाद किसानों ने नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की।

भाकियू कार्यकर्ता मियां का पूरा से हल–बैल के साथ जुलूस

निकालते हुए प्रतापपुर ब्लॉक मुख्यालय पहुंचे। जिला अध्यक्ष रमीज नकवी के नेतृत्व में आयोजित धरना–प्रदर्शन के दौरान किसानों ने आरोप लगाया कि पूर्व में दिए गए ज्ञापन के बावजूद क्षेत्र की समस्याओं का समाधान नहीं कराया गया।

इसके अलावा ग्राम गोसैसीपुर के पंचायत भवन की मरम्मत और हैंडपंप रीबोर, ग्राम सभा मोहिउद्दीनपुर में स्कूल के सामने से सलारगंज तक नाले की सफाई तथा मौजा गोठवां में सतीश पुत्र जगनारायण की नाली पर हुए अतिक्रमण को हटाने की मांग भी की गई। किसानों का कहना था कि बरसात से पहले इन समस्याओं का समाधान नहीं होने पर जलभराव और बीमारियों का खतरा बढ़ जाएगा। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर मांगों का निस्तारण नहीं किया गया तो आक्रोशित किसान फूलपुर–वारी संपर्क मार्ग पर धरना देने को बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन–प्रशासन और खंड विकास अधिकारी प्रतापपुर की होगी। धरना–प्रदर्शन के बाद नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान लाल प्रताप यादव, देवेंद्र खन्ना, विनोद पांडेय, भोला प्रजापति, देवनाथ भारतीय, संगीता गौतम, गुंजा पटेल, सीताराम सिंह, सुरेश मास्टर, सुषमा पाल, नफीस अंसारी, सुभाष यादव, परवेज सिद्दीकी, बाबर अंसारी, फैसल सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

विधवा पेंशन में फर्जीवाड़े की आशंका, 1.05 लाख महिलाओं का सत्यापन कराने में जुटा विभाग

प्रयागराज। निराश्रित महिला पेंशन योजना में संभावित फर्जीवाड़े की आशंका के बीच महिला व बाल विकास विभाग ने जिले की करीब 1.05 लाख लाभार्थी महिलाओं का व्यापक सत्यापन अभियान शुरू कर दिया है। विभाग को आशंका है कि कुछ मामलों में गलत दस्तावेजों के आधार पर योजना का लाभ लिया जा रहा है। इस कारण लाभार्थियों के अभिलेखों और उनकी वास्तविक स्थिति तक की पड़ताल की जा रही है। महिला व बाल विकास विभाग की ओर से आर्थिक रूप से कमजोर निराश्रित महिलाओं को एक हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन दी जाती है। यह धनराशि वर्ष में चार किस्तों के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जाती है। योजना का लाभ लेने के लिए पति का मृत्यु प्रमाणपत्र, आय प्रमाणपत्र समेत अन्य आवश्यक दस्तावेज जमा करना अनिवार्य होता है। हाल के दिनों में प्राप्त नए आवेदनों और कुछ शिकायतों की जांच के दौरान विभाग को अनियमितताओं की आशंका हुई। इसके बाद जिले में योजना से जुड़ी सभी लाभार्थियों का सत्यापन शुरू कराया गया है। कई मामलों में स्थानीय स्तर पर भी जानकारी जुटाई जा रही है। जिला प्रोबेशन अधिकारी सर्वजीत सिंह ने बताया कि प्रयागराज जिले में वर्तमान समय में लगभग 1.05 लाख महिलाएं निराश्रित महिला पेंशन योजना का लाभ प्राप्त कर रही हैं। सभी नए आवेदनों और संदिग्ध मामलों का नियमित सत्यापन कराया जा रहा है। हालांकि अभी तक फर्जीवाड़ा का एक भी मामला पकड़ में नहीं आया है।

प्रयागराज मंडल के 29 स्टेशनों पर बुकिंग एजेंट बेचेंगे टिकट

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल ने 29 स्टेशनों पर टिकट बेचने की जिम्मेदारी स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट को देने की तैयारी की है। मंडल के स्टेशनों पर जल्द ही यह एजेंट तैनात हो जाएंगे। स्टेशनों पर चयनितों की नियुक्ति पूरी तरह संविदा और प्रति टिकट कमीशन के आधार पर होगी। एजेंट बनने के इच्छुक युवा 15 जुलाई तक अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। 20 मई 2027 तक के लिए अभी यह योजना है। बाद में इसका विस्तार किया जा सकता है। प्रयागराज मंडल के करछना, गोविंदपुरी, मानिकपुर, कानपुर अनवरगंज, जिवनाथपुर, कैलहट, डगमगपुर, बिरोही, मनोहरगंज, शुजातपुर, कटोधन, प्रेमपुर, बिदनपुर, कुरस्ती कला आदि स्टेशनों पर स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट की तैनाती होगी। भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बाद चयनित एजेंट सभी शिफ्टों में कंप्यूटर के जरिये यात्रियों को अनारक्षित (जनरल) टिकट काउंटर से मुहैया कराएंगे।

सीनियर डॉक्टरों ने संभाली ओपीडी, देखे 1623 मरीज

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल में जूनियर डॉक्टरों की तीन दिन से जारी हड़ताल की वजह से बुधवार को सीनियर डॉक्टरों ने ओपीडी चलाने की जिम्मेदारी संभाली। कुल 1623 मरीज विभिन्न ओपीडी में देखे गए। दोपहर में सिटी मजिस्ट्रेट विनय कुमार सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एके तिवारी व मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एके वर्मा जूनियर डॉक्टरों से वार्ता के लिए पहुंचे। उन्होंने बताया कि जूनियर रेजिडेंट डॉ. मोसिन अली अपने घर पहुंच गए हैं। इस पर कुछ डॉक्टरों ने फोन लगाकर डॉ. मोसिन अली व उनकी बहन से बात की। इसके बाद जूनियर डॉक्टरों ने हड़ताल वापस ले ली। हड़ताल की वजह से रोजाना की तुलना में 50 फीसदी मरीज कम पहुंचे। दोपहर 12 से दो बजे तक कुल 23 मरीज भर्ती हुए। ओपीडी में पहुंचने वालों में नए की अपेक्षा फॉलोअप वाले मरीजों की संख्या अधिक रही। फिलहाल मेडिसिन, आर्थोपेडिक, ईएनटी, त्वचा रोग, हृदय रोग, दंत रोग, नेत्र रोग, गैस्ट्रोलॉजी, मनोरोग व स्त्री रोग की ओपीडी चलने से मरीजों ने राहत की सांस ली। पीएमएसएसवाई बिल्डिंग में भी सामान्य दिनों की तरफ किडनी रोग, न्यूरोलॉजी, यूरोलॉजी, प्लास्टिक सर्जरी, न्यूरो सर्जरी सहित अन्य विभागों ने चिकित्सकों ने मरीजों को देखा। बृहस्पतिवार से एसआरएन अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। मरीजों की तकलीफ को देखते हुए सीनियर डॉक्टरों ने ओपीडी चलाई। सामान्य दिनों की तरह सुबह नौ से दोपहर दो बजे तक ओपीडी संचालित की गई।

बिजली कटौती से दैनिक कार्य प्रभावित, कहीं पानी की किल्लत तो कहीं परेशान उपभोक्ता

प्रयागराज। शहर में बिजली संकट थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार रात से बुधवार देर रात तक विभिन्न क्षेत्रों में बिजली कटौती और तकनीकी खराबियों के कारण लोगों का जनजीवन प्रभावित रहा। सुबह के समय बिजली गुल रहने से मोटर नहीं चल सकी। इससे कई इलाकों में पेयजल संकट भी गहरा गया। ट्रांसफार्मर खराबी, केबल फॉल्ट और मरम्मत कार्यों के कारण शहर के दर्जनों मोहल्लों में घंटों बिजली आपूर्ति बाधित रही। लूकरगंज में मंगलवार देर रात ट्रांसफॉर्मर में तकनीकी खराबी आने से रात करीब दस बजे से 12 बजे तक बिजली गुल रही। बुधवार दोपहर करीब एक बजे से दो बजे तक भी यही हाल रहा। इसके अलावा केबल शॉर्ट होने से डेढ़ से दो घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। म्योराबाद क्षेत्र में सुबह करीब 11 बजे केबल में आग लगने से दोपहर 12 बजे तक बिजली आपूर्ति ठप रही। बेली स्थित सरस्वती पार्क में मरम्मत कार्य के चलते एक ट्रांसफॉर्मर बंद किए जाने से दोपहर 1रू30 बजे से तीन बजे तक बिजली आपूर्ति प्रभावित रही।

बैगन टोला, याकूदगंज, मंसूर पार्क, डफरिन फीडर, कटजू रोड और दायराशाह अजमल क्षेत्र में मंगलवार रातभर हर घंटे बिजली आती–जाती रही। यही स्थिति बुधवार को भी बनी रही। बैरहना, मलाकराज, रामबाग, तुलारामबाग और माधवपुर सब्जी मंडी क्षेत्र में भी बार–बार बिजली कटौती होती रही। विद्या होटल के पास एक ट्रांसफॉर्मर बंद होने से सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक आपूर्ति बाधित रही।

दारागंज, बक्सी बांध, अल्लापुर, अलोपीबाग और

सोहबतियाबाग क्षेत्रों में मंगलवार रात से बुधवार देर रात तक चार से पांच बार एक–एक घंटे की कटौती हुई। तेलियरगंज, सलोरी और गोविंदपुर में भी दिनभर बिजली की आवाजाही बनी रही।

मुट्ठीगंज, कोठापार्चा, कटघर, कल्याणी देवी, मीरापुर, अतरसुइया, रानीमंडी, करेली, अटाला और करेलाबाग क्षेत्रों में भी दिनभर चार से पांच बार बिजली कटने से लोग परेशान रहे।

दरियाबाद, गुजराती मोहल्ला, हर्षवर्धन नगर, और शक्ति चौराहा क्षेत्रों में मंगलवार रात से बुधवार तक बिजली की स्थिति खराब रही।

बेनीगंज, अयोध्यापुरी, खुल्दाबाद, भवापुर और जाफरी नगर में मंगलवार रातभर बिजली की आवाजाही बनी रही। बुधवार सुबह छह बजे से साढ़े सात बजे तक बिजली गुल रहने से पेयजल संकट गहरा गया।

स्थानीय निवासी उमेश कुमार ने बताया कि सुबह बिजली कटने से पानी की आपूर्ति बाधित हो जाती है। इससे लोगों के दैनिक कार्य प्रभावित होते हैं।

राजरूपपुर, कालिंदीपुरम और झलवा क्षेत्रों में भी सुबह बिजली कटौती के कारण पानी की किल्लत रही।

सुलेमसराय, मुंडेरा, टीपी नगर और नीमसराय क्षेत्रों में भी दिनभर चार से पांच कटौती होती रही, जिससे उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

एक फेज गायब, दो फेज से चल रही आपूर्ति, किसानों की धान की बेहन पर संकट

प्रयागराज। गांजा फीडर से जुड़े चंद्रसेन गांव, मोहद्दीनपुर, अमराइन, नसीरपुर, पठानपुरवा समेत आसपास के गांवों में बिजली आपूर्ति की गंभीर समस्या बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि मंगलवार रात करीब नौ बजे से बुधवार शाम पांच बजे तक बिजली के तीन फेज की जगह केवल दो फेज ही चालू है। ग्रामीणों के अनुसार एक फेज न आने से कृषि कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। ट्यूबवेल नहीं चल पा रहे हैं, इससे धान की बेहन में समय पर पानी नहीं पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि यदि धान की बेहन तैयार नहीं होगी तो आगे फसल उत्पादन भी प्रभावित होगा और नुकसान उठाना पड़ेगा।

पूर्व प्रधान के बेटे की गोली मारकर हत्या, भूमि विवाद में अज्ञात बदमाशों ने वारदात को दिया अंजाम

प्रयागराज। औद्योगिक क्षेत्र थाना क्षेत्र के गोती गांव में भूमि विवाद को लेकर पूर्व प्रधान के बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बृहस्पतिवार को पूर्व प्रधान विनोद का पुत्र कुश गांव के बाहर किसी कार्य से गया था।

औद्योगिक क्षेत्र थाना क्षेत्र के गोती गांव में भूमि विवाद को लेकर पूर्व प्रधान के बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बृहस्पतिवार को पूर्व प्रधान विनोद सिंह का पुत्र कुश सिंह (20) गांव के बाहर किसी कार्य से गया था। यहां पर अज्ञात बदमाशों ने उसको गोली मार दी। घटना के बाद लहूलुहान अवस्था में कुश को एसआरएन अस्पताल ले जाया गया जहां

उसकी मौत हो गई। घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना के पीछे भूमि के विवाद का मामला सामने आया है। फिलहाल पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है।

बृहस्पतिवार सुबह वह घर से कुछ दूर स्थित एक बगिया में गया हुआ था। यहां पर अज्ञात हमलावरों द्वारा उसे गोली मारी गई। जानकारी पर परिवार के लोग इलाज के लिए उसे स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय ले जा रहे थे। रास्ते में ही कुश की सांसें थम गईं। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है पुलिस

औद्योगिक क्षेत्र थाना प्रभारी कमलेश कुमार ने बताया कि अभी हत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है और न ही हमलावरों की पहचान हो सकी है। प्रथम दृष्टया मामला जमीन विवाद का बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस गांव के बाहर व रास्तों में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है। घटना के बाद एसओजी को भी मामले में लगाया गया है।

बिजली गिरने से नहीं थमेगी ट्रेनों की रफ्तार, डिस्कनेक्टर असेंबली सिस्टम लागू करेगा रेलवे

प्रयागराज। मानसून के दौरान आसमान से गिरने वाली बिजली अब रेलवे की रफ्तार में रोड़ा नहीं बनेगी। बिजली गिरने से ओएचई (ओवरहेड इक्विपमेंट) लाइन ट्रिप हो जाती थी और ट्रेनें कहीं भी खड़ी हो जाती थीं।

मानसून के दौरान आसमान से गिरने वाली बिजली अब रेलवे की रफ्तार में रोड़ा नहीं बनेगी। बिजली गिरने से ओएचई (ओवरहेड इक्विपमेंट) लाइन ट्रिप हो जाती थी और ट्रेनें कहीं भी खड़ी हो जाती थीं। अब रेलवे इस समस्या का स्थायी समाधान करने जा रहा है। उत्तर मध्य रेलवे समेत सभी जोनल रेलवे डिस्कनेक्टर असेंबली प्रणाली को लागू करने जा रहे हैं।

यह आधुनिक सिस्टम बिजली गिरने पर खराब हुए लाइटनिंग अरेस्टर उपकरण को पलक झपकते ही मुख्य चालू लाइन से अलग कर देगा। इससे पूरी बिजली लाइन ट्रिप नहीं होगी और न ही सब–स्टेशनों को कोई नुकसान

पहुंचेगा। इससे ट्रेनों का परिचालन निर्बाध रूप से जारी रहेगा।

पहले लाइटनिंग अरेस्टर के पंक्चर होने पर कई किलोमीटर तक बिजली गुल हो जाती थी। ट्रेनें रुक जाती थीं। रेलवे अब उपकरणों की तकनीकी खराबी को पकड़ने के लिए पहली बार अत्याधुनिक थर्मोविजन कैमरा तकनीक को अनिवार्य करने जा रहा है। इस थर्मल इमेजिंग कैमरे के जरिये बिजली सब–स्टेशनों की नियमित जांच की जाएगी ताकि कोई भी उपकरण पूरी तरह खराब होने या जलने से पहले ही चिह्नित कर बदला जा सके।

कैसे करता है कार्य

रेलवे डिस्कनेक्टर असेंबली 25 केवी ट्रैक्शन विद्युत प्रणाली का एक अत्यंत महत्वपूर्ण उपकरण है। इसका मुख्य उद्देश्य विद्युत लाइन या उपकरण को सुरक्षित रूप से विद्युत स्रोत से अलग करना है। यह स्वयं फॉल्ट करंट या लोड करंट को बाधित नहीं करता, बल्कि सर्किट ब्रेकर के साथ मिलकर कार्य करता है। रखरखाव, निरीक्षण, आपातकालीन परिस्थितियों और विद्युत नेटवर्क के नियंत्रण में इसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। दृश्य पृथक्करण प्रदान करने के कारण यह रेलवे कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है और सम्पूर्ण ट्रैक्शन प्रणाली की विश्वसनीयता एवं कार्यकुशलता को बढ़ाता है। यही कारण है कि आधुनिक रेलवे विद्युत प्रणाली में डिस्कनेक्टर असेंबली को सुरक्षा और संचालन का एक अनिवार्य अंग माना जाता है।

उलटी दिशा से आ रहे ट्रैक्टर से भिड़ा ट्रक, एक व्यक्ति की मौके पर मौत, पांच गंभीर

प्रयागराज। हंडिया थाना क्षेत्र के रसार गांव स्थित ओवरब्रिज पर बुधवार रात उलटी दिशा से आ रहे ट्रैक्टर की प्रयागराज की ओर जा रहे ट्रक से भिड़ंत हो गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को सीएचसी उपरदहां के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे में ट्रैक्टर पर सवार 45 वर्षीय गोपाल हरिजन पुत्र राजकरण ट्रक के पहिये के नीचे आ गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, 21 वर्षीय सुलेद्र पुत्र भुंजे, 14 वर्षीय दीपक बनवासी पुत्र झींगुरी बनवासी, 15 वर्षीय डीएम पुत्र गोपाल निवासी गढ़ वेरासपुर थाना गोपीगंज, भदोही, 16 वर्षीय मनोज बनवासी पुत्र दुखी बनवासी और 17 वर्षीय लेखपाल बनवासी पुत्र दुखीराम बनवासी निवासी सियाडीह धौरहरा थाना हंडिया घायल हो गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जागृति शुक्ला की मौत के मामले में कार्यकारिणी सदस्यों ने दिया इस्तीफा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी सदस्य अंजली सिंह तोमर और कार्यकारिणी सदस्य व अनुशासनिक समिति के सदस्य आदित्य धर द्विवेदी ने स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल प्रकरण और महिला अधिवक्ता जागृति शुक्ला की मृत्यु के मामले में अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। अंजली सिंह तोमर ने अपने त्यागपत्र में कहा है कि एसआरएन अस्पताल प्रकरण में बार एसोसिएशन की ओर से अपनाए गए रवैये से वह अत्यंत निराश व क्षुब्ध हैं। अधिवक्ता हितों की प्रभावी व सम्मानजनक रक्षा किए जाने के स्थान पर जिस प्रकार मामले को संभाला गया। उससे संगठन की कार्यप्रणाली व नेतृत्व के प्रति उनका विश्वास प्रभावित हुआ है। आदित्य धर द्विवेदी ने बताया 20 मई को एसआरएन अस्पताल विवाद में बार एसोसिएशन का रवैया ढुलमुल रहा। इस कारण उन्होंने कार्यकारिणी सदस्य और अनुशासनिक समिति के सदस्य पद से त्यागपत्र दे दिया है।

तीसरे दिन भी जबरन डिस्चार्ज किए गए मरीज, खाली हुआ अस्पताल

प्रयागराज। हनुमानगंज निवासी शीतल केसरवानी को पैरों में सूजन, सुस्ती व नसों में दर्द के चलते छह दिन पहले एसआरएन अस्पताल में भर्ती किया गया। इलाज पूरा होने से पहले ही बुधवार को दबाव बनाकर उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया। यह कोई एक मरीज की नहीं, बल्कि भर्ती सभी मरीजों की समस्या रही। हड़ताल की वजह से ट्रॉमा ट्रायज, इमरजेंसी मेडिसिन, सर्जरी, सात व 10 नंबर वार्ड में भर्ती मरीजों को जबरन डिस्चार्ज कर दिया गया। सर्जरी के पुरुष वार्ड में दरवाजे पर कुंडी लगा दी गई। दोपहर 12 बजे तक सभी वार्डों में सन्नाटा पसर गया। तीन दिन में 150 से ज्यादा मरीजों के ऑपरेशन टाल दिए गए। कब होंगे यह बताया नहीं गया। कुछ मरीज इलाज के अभाव में मरीज को रेफर कराकर चले गए। ऐसे में पुरानी बिल्डिंग के वार्ड सात और 10 के 25–25 बेड, न्यूरो सर्जरी विभाग के 21 बेड व पुरुष सर्जरी वार्ड के सभी 30 बेड खाली रहे। इमरजेंसी सेवाएं पूरी तरह से ठप रहीं। कई एंबुलेंस ट्रॉमा के बाहर मरीज को लेकर काफी देर तक खड़ी रहीं। हड़ताल की वजह से मरीजों को वापस ले गईं।

अर्श से फर्श पर पहुंची प्रयागराज की रैंकिंग, मिला 73वां स्थान

प्रयागराज। आईजीआरएस रैंकिंग के मामले में प्रयागराज अर्श से फार्श पर पहुंच गया। मई–2026 की रैंकिंग प्रयागराज के लिए निराशनजक रही और जिले को प्रदेश के 75 जिलों में से 73वां स्थान हासिल हुआ। हालांकि, पिछले छह माह के दौरान आईजीआरएस रैंकिंग में उल्लेखनीय प्रदर्शन रहा। मार्च में प्रयागराज को प्रदेश में जहां 18 स्थान मिला था, वहीं फरवरी में 11वें स्थान पर रहते हुए प्रयागराज में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। जनवरी में भी 18वीं रैंक के साथ प्रयागराज का प्रदर्शन अच्छा रहा और दिसंबर–2025 में 31वीं और नवंबर–2025 में 32वीं रैंकिंग के साथ भी संतोषजनकर प्रदर्शन किया। छह माह पहले भी आईजीआरएस रैंकिंग में प्रयागराज की स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी। समस्याओं के निस्तारण में असंतोषनक फीडबैक मिलने के कारण प्रयागराज के लिए रैंकिंग में सुधार करना मुश्किल हो गया था । लेकिन बाद में इन्हीं कमियों पर काम किया गया और रैंकिंग भी लगातार सुधरने लगी लेकिन इस बार 73वां स्थान आने से प्रयागराज आईजीआरए रैंकिंग में फिर से काफी पीछे चला गया।

इविवि के पीजी पाठ्यक्रमों की परीक्षा का प्रवेश पत्र जारी

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा पीजीएटी–2026 (पोस्ट ग्रेजुएट एडमिशन टेस्ट) और आईपीएस समेत विभिन्न पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा का प्रवेश पत्र बुधवार को जारी किया गया। 15 से 18 जून तक होने वाली परीक्षा में करीब 29 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से होगी। अभ्यर्थी पीजीएटी के प्रवेश पोर्टल https://aupravesh2026cbtexam.in से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। चार दिनों में 29,008 अभ्यर्थी शामिल होंगे। इनमें 15,344 ऑनलाइन व 13664 अभ्यर्थी ऑफलाइन मोड में परीक्षा देंगे। 15 जून को पीजीएटी–2 व आईपीएस की ऑनलाइन परीक्षा में 1,985 अभ्यर्थी शामिल होंगे। 16 जून को पीजीएटी–2 की ऑनलाइन परीक्षा में 1988 परीक्षार्थी बैठेंगे। 17 जून को एलएलबी (ऑनर्स) और एलएलएम की प्रवेश परीक्षा आयोजित होगी।

मालभाड़ा 20 फीसदी बढ़ा तो बुकिंग 40 फीसदी तक गिरी

प्रयागराज। डीजल की बढ़ती कीमतों ने ट्रांसपोर्ट व्यवसाय की कमर तोड़ दी है। किराये में 20 फीसदी वृद्धि के बाद अब ट्रांसपोर्टरों को बुकिंग कम मिल रही है। कारोबार करीब 40 फीसदी गिरा है। बुकिंग न मिलने से अंदावा, डांडी, ट्रांसपोर्ट नगर, बमरौली और फाफामऊ जैसे इलाकों में 600 से अधिक ट्रक खड़े हो गए हैं। ट्रांसपोर्ट के कारोबार में आई मंदी की जद में वाराणसी, कानपुर, लखनऊ और आगरा भी शामिल हैं।

ब्यूटी पार्लर में लगी आग, फायर ब्रिगेड ने बचाई दो लोगों की जान

लखनऊ (संवाददाता)। ब्यूटी पार्लर में शार्ट सर्किट से लगी आग में दो लोग फंस गए जिन्हें फायर ब्रिगेड की टीम ने रेस्क्यू कर बचा लिया। गौतमपल्ली थाना क्षेत्र की क्रिश्चियन कालोनी में गुरुवार सुबह एक मकान में संचालित ब्यूटी पार्लर में आग लग गई।आग की लपट व धुएं के बीच दो लोग फंस गए। चीख पुकार सुनकर पड़ोसियों ने दमकल को सूचना दी। आग की सूचना पर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और बचाव अभियान चलाकर छत पर धुएं से घिरे दो लोगों को सीढ़ी की मदद से सुरक्षित नीचे उतार लिया। आग लगने के समय दो लोग भवन के अंदर फंस गए थे। दमकल कर्मियों ने दोनों को लोहे की सीढ़ी के माध्यम से सुरक्षित बाहर निकाल लिया।बाद मशक्कत दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। गौतमपल्ली की क्रिश्चियन कॉलोनी में श्ज्यस्ट फॉर डिवाइसस केडीए ब्यूटी पार्लर में आग लगने की प्रारंभिक जांच में कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया है। कोई जनहानि नहीं हुई, पार्लर का सामान जलकर नष्ट हो गया। मकान मालिक के मुताबिक आग भूतल पर संचालित पार्लर में लगी थी। पार्लर की संचालिका दीपिका राठौड़ हैं। आग से किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन पार्लर में रखा सामान जल गया।

संत की हत्या मामले में बुलडोजर एक्शन

ढहाया अतीक का घर ,कई अरेस्ट

लखनऊ (संवाददाता)। उन्नाव जिले का सनसनीखेज मामला सामने आया है।उन्नाव के बांगरमऊ इलाके में मस्जिद के पास मंदिर बना रहे 45 वर्षीय संत मिलन दास की दिनदहाड़े चाकू गोदकर हत्या कर दी गई। अजान के समय लाउडस्पीकर पर भजन बजाने को लेकर हुए विवाद के बाद वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपित सभासद अतीक के घर पर प्रशासन का बुलडोजर चला है। अतीक के अहाते में हत्या हुई थी। खौफनाक वारदात 9 जून दोपहर को हुई। संत मिलन दास अपने घर से कुछ दूरी पर स्थित सभासद अतीक के अहाते में बैठे थे। जैसे ही उठकर जाने लगे, हमलावरों ने उनपर चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमलावरों ने आसपास के लोगों को भी चाकू दिखाकर डराया और वहाँ से भाग निकले। संत को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।संत मिलन दास के परिजनों के मुताबिक वह मुस्लिम बहुल इलाके में अपनी जमीन पर मंदिर का निर्माण करवा रहे थे। मंदिर से थोड़ी ही दूरी पर एक मस्जिद भी है। आरोपित संत द्वारा मंदिर बनवाने और वहाँ भजन बजाने से काफी समय से खुन्नस खाए हुए थे। इससे पहले भी साल 2013 और 2023 में संत मिलन दास पर हमले हो चुके थे। वारदात से आक्रोशित लोगों ने बांगरमऊ–हरदोई मार्ग जाम कर दिया। पुलिस ने भारी बल तैनात किया। पुलिस ने इसराइल, लल्ली, यामीन, शानू और शफी समेत 8 लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। तीन लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए मुख्य आरोपित अतीक के घर पर बुलडोजर एक्शन भी लिया है।

राजनीति में मतभेद स्वीकार है, बेटियों का अपमान नही,सपा मुख्यालय के बाहर लगा होर्डिंग

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में समाजवादी पार्टी मुख्यालय के बाहर लगाए गए एक बड़े पोस्टर ने राजनीतिक हलकों में नई बहस छेड़ दी है। पोस्टर में बेटियों के सम्मान और महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए गए हैं। पोस्टर में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की तस्वीर के साथ लिखा गया है, "राजनीति में मतभेद स्वीकार है, बेटियों का अपमान नहीं। पोस्टर में यह भी लिखा गया है कि बेटियों का सम्मान, देश की पहचान और सवाल उठाया गया है कि जब एक बेटी की इज्जत पर हमला हुआ तो कानून का बुलडोजर कार्रवाई करने में लाचार क्यों दिखाई दिया? समाजवादी पार्टी से जुड़े नेताओं का कहना है कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन महिलाओं और बेटियों के सम्मान के साथ किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता। पोस्टर के जरिए महिला सुरक्षा और कानून–व्यवस्था के मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश की गई है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि हाल के घटनाक्रमों को लेकर विपक्ष महिला सम्मान के मुद्दे को प्रमुखता से उठा रहा है और इसी कड़ी में यह पोस्टर लगाया गया है।

पांडवकालीन भयहरणनाथ धाम में श्रीमद्भागवत कथा का तृतीय दिवस सम्पन्न, अजामिल को मिली यमदूतों के बंधन से मुक्ति

कटरा गुलाब सिंह। पांडवकालीन पवित्र स्थल श्री भयहरणनाथ धाम में चल रही श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का तृतीय दिवस श्रद्धा व उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ।ध्रुव जी की कथा सुनकर सम्पूर्ण पंडाल ष्हर हर महादेवष् के जयकारों से गूंज उठा। कथा व्यास भागवत भूषण पं. विजय कांत तिवारी जी ने आज ष्अजामिल मोक्ष कथाष् एवं ष्ध्रुव चरित्रष् का वर्णन करते हुए कहा कि ष्पांडवकालीन इस पवित्र धामष् में भगवान शिव की आराधना से ही अजामिल जैसे पापी को मोक्ष प्राप्त हुआ। कथा के अनुसार, अजामिल को यमदूतों के बंधन से मुक्ति मिली। इस घटना ने उनके जीवन को पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने अपने सभी पाप कर्म छोड़ दिए और पश्चाताप करते हुए गंगा के तट पर जाकर भक्ति में अपना समय बिताया। अंततः उनका उद्धार हुआ और उन्हें वैकुंठ लोक की प्राप्ति हुई। संरक्षक देवी प्रसाद मिश्र ने कथा व्यास एवं अन्य विद्वानों का विधिवत स्वागत पूजन किया। भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के अध्यक्ष

आचार्य राज कुमार शुक्ल एवं कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र तथा सचिव संगठन राज किशोर मिश्र के सहयोग से संयोजन मंडल द्वारा सम्पूर्ण व्यवस्था देखी गई। कथा उपरांत प्रसाद वितरण किया गया। संस्थान के उपाध्यक्ष वित्त एवं लेखा एडवोकेट राजीव नयन मिश्र ने बताया कि यह परम्परागत कथा क्षेत्रीय जन सहयोग तथा लोक भागीदारी से पांडवकालीन भयहरणनाथ धाम की प्रबंध संस्था द्वारा महासचिव समाज शेखर व पुजारी भोला नाथ तिवारी के मार्गदर्शन में आयोजित की जा रही है। अधिक मास मेले में आये बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण का लाभ लिया। कथा 15 जून तक प्रतिदिन सायं 4रू30 बजे से चलेगी। सभी भक्तजन सादर आमंत्रित हैं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से धाम के पूर्व अध्यक्ष अरविंद नारायण त्रिपाठी, उपाध्यक्ष प्रशासन बबन सिंह, मंदिर व्यवस्था समिति के सचिव सच्चिदानंद पांडेय मुरली, कमलेश चौधरी, प्रेमनारायण पांडेय, त्रिलोकीनाथ त्रिपाठी, रवि गुप्ता, बब्बू शुक्ला, राजेन्द्र पटेल नन्द कुमार शुक्ल, हरिशंकर मिश्र, रामखेलावन शुक्ल, गोपीनाथ दुबे आदि बड़ी संख्या मे कथा के रसिकों व भक्तों ने प्रतिभाग किया।

मीडिया से पता चला बढ़ गया रेट, भड़के ऊर्जा मंत्री

बिना पूछे कैसे बढ़ाए बिजली के दाम : शर्मा

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा विभाग में बड़ा विवाद खड़ा हो गया है।बिना पूछे बढ़ा दिए गए बिजली के दाम तो ऊर्जा मंत्री भड़क उठे। हाल ही में सामने आई एक चिट्ठी में प्रदेश के ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के चेयरमैन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए तीखा प्रहार किया है। मंत्री ने जून के बिजली बिलों में 10 प्रतिशत ईंधन और बिजली खरीद समायोजन अधिभार लागू किए जाने के निर्णय पर नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने पूछा कि बिना विभाग सेअनुमति या पूर्व जानकारी के महंगाई क्यों की गई।उनका आरोप है कि निर्णय की जानकारी उन्हें अधिकारियों के बजाय टीवी चौनलों और सोशल मीडिया से मिली, जो सरकार की छवि को नुकसान पहुंचाने वाला है। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि विभाग के फैसलों की जानकारी उन्हें क्यों नहीं दी गई, जबकि यह निर्णय विभाग की ही ओर से लिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि विभाग कीमुख्यालय से उनकी अनुपस्थिति का फायदा उठाकर ऐसे बड़े निर्णय लिए गए हैं, जो जनता के हितों के खिलाफ हैं। शर्मा ने चेयरमैन की कार्यशैली, अनुभवी कर्मचारियों को हटाने और विभाग की व्यवस्था में लापरवाही को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि बिजली व्यवस्था में हो रही लापरवाही किसी कीमत पर स्वीकार नहीं। पत्र जिसकी तारीख 2 जून है, जिसका विषय है–"शासन की मंशा के विपरीत वाली कार्यशैली

बंद करने हेतु।"अध्ययन के अनुसार 29 मई को पावर कारपोरेशन ने निर्देश जारी किया था, जिसमें कहा था कि जून 2026 के बिलों में 10 प्रतिशत एफपीपीएएस सरचार्ज लगेगा। निर्णय के बाद समाचार पत्रों, सोशल मीडिया पर सरकार के विरुद्ध नकारात्मक खबरों का माहौल बन गया।मंत्री का कहना है कि ऐसे व्यापक प्रभाव डालने वाले निर्णय की विभागीय स्तर पर अनुमति या सूचना क्यों नहीं ली गई।

आयत–ए–मुबाहला हक और बातिल के बीच निर्णायक संघर्ष की उज्ज्वल मिसाल

लखनऊ (संवाददाता)। ऑल इंडिया जुमअतुल कुरैश के जिला अध्यक्ष शहजाद कुरैशी के कार्यालय में आयत–ए–मुबाहला के विषय पर एक आध्यात्मिक एवं वैचारिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता तुफैल अहमद ने की, जबकि संचालन का दायित्व हाफिज अमीर अहमद ने निभाया। कार्यक्रम का शुभारंभ कारी मोहम्मद शम्सुज्जुहा पहलवी की भावपूर्ण कुरआन–ए–करीम की तिलावत तथा मोहम्मद वसीक की नात–ख्वानी से हुआ।मोहम्मद शमीम अख्तर नदवी ने आयत–ए–मुबाहला की व्याख्या करते हुए कहा कि मुबाहला इस्लाम के इतिहास की एक महान और ईमान को मजबूत करने वाली घटना है, जिसमें अल्लाह तआला ने अपने प्रिय नबी हजरत मोहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के सत्य होने को स्पष्ट रूप से प्रमाणित किया। मुबाहला का अर्थ है कि दो पक्ष अल्लाह तआला के समक्ष यह दुआ करें कि जो झूठा और असत्य पर हो, उस पर अल्लाह का अजाब नाजिल हो।

उन्होंने मुबाहला की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि जब नजरान के ईसाइयों ने पैगंबर–ए–इस्लाम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की दावत–ए–हक को स्वीकार करने से इंकार कर दिया, तब अल्लाह तआला ने सूरह आले–इमरान की आयत 61 नाजिल फरमाई और मुबाहला का आदेश दिया। जब नजरान के ईसाइयों ने देखा कि रसूल–ए–अकरम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम हजरत अली कर्मल्लाहु वजहहू, हजरत फातिमा जहरा रजियल्लाहु अन्हा, हजरत इमाम हसन और हजरत इमाम हुसैन रजियल्लाहु अन्हुमा के साथ मुबाहला के लिए आ रहे हैं, तो उन पर भय और श्रद्धा का प्रभाव छा गया और उन्होंने मुबाहला से इंकार करते हुए संधि तथा जिजया को स्वीकार कर लिया।उन्होंने कहा कि इस घटना से अहले बैत अतहार रजवानुल्लाहि अलैहिम अजमईन की महानता, श्रेष्ठता और बारगाह–ए–रिसालत में उनके उच्च स्थान का भी स्पष्ट प्रमाण मिलता है। आयत–ए–मुबाहला अहले बैत की शान में नाजिल होने वाली महत्वपूर्ण आयतों में से एक है, जो पूरी उम्मत–ए–मुस्लिमह के लिए मार्गदर्शन का स्रोत है।उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान समय में जब असत्य की शक्तियां विभिन्न रूपों में सत्य को दबाने का प्रयास कर रही हैं, ऐसे समय में वाकिध्या–ए–मुबाहला हमें यह शिक्षा देता है कि सच्चाई, ईमानदारी और अल्लाह पर पूर्ण भरोसा रखने वाले लोग कभी असफल नहीं होते। हक की जीत और बातिल की हार अल्लाह तआला का अटल वादा है।कार्यक्रम के संयोजक मोहम्मद आफाक ने अपने संबोधन में कहा कि आयत–ए–मुबाहला मुसलमानों को एकता, सब्र, दृढ़ता और सत्य पर अडिग रहने का संदेश देती है।

कनेर के फूल

(कुण्डलिया)

'कणलिंगेश कन्नड़ कहें अरु गुजरात 'कन्हेरश।
कहें मराठी 'तांडवीश, औ' पंजाब 'कनेरश।
औश पंजाब कनेर, फूल हैं जिसके सुन्दर।
मोहकता के साथ, ज़हर रहता है अन्दर।
सुन लो कहें प्रदीप, न चखते स्वाद पतिंगे।
शिव की बने पसन्द, फूल कहते 'कणलिंगेश'।।

आयुर्वेदिक ग्रन्थ में, वर्णित फूल कनेर।
विष का पूरा खान है, चखते करता ढेर।
चखते करता ढेर, पत्तियाँ प्यारी–प्यारी।
कोमल जिसकी शाख, सदा सबको भरमाती।
सुन लो कहें प्रदीप, बात है अति प्रासंगिक।
कहते हैं सब वैद्य, दवा है आयुर्वेदिक।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

हनुमान मंदिर के सामने चौड़ी होगी सड़क,पीडब्लयूडी ने 10 दुकानें गिराई

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के अलीगंज स्थित नया हनुमान मंदिर के सामने वर्षों से लगने वाले जाम से राहत दिलाने के लिए सड़क चौड़ीकरण का काम शुरू हो गया है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने गुरुवार को अभियान चलाकर सड़क किनारे बनी 10 दुकानों को ध्वस्त कर दिया। छह दुकानों को हटाने के लिए शुक्रवार को फिर कार्रवाई की जाएगी। अलीगंज के प्राचीन हनुमान मंदिर में विशेष रूप से जेठ माह के बड़े मंगल पर लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मंदिर के आसपास करीब 250 मीटर का हिस्सा लंबे समय से यातायात की सबसे बड़ी समस्या बना हुआ है। मंदिर से पहले सड़क फोरलेन है, लेकिन मंदिर के सामने पहुंचते ही सड़क संकरी हो जाती है, जिससे रोजाना जाम लगता है। बड़े मंगल और अन्य धार्मिक आयोजनों के दौरान स्थिति और गंभीर हो जाती है। पीडब्लयूडी की योजना के तहत मंदिर के सामने वाली पट्टी पर सड़क को करीब 10 मीटर तक चौड़ा किया जाना है। हालांकि इस हिस्से में 16 पक्की दुकानें और कुछ निर्माण मौजूद थे, जिसके चलते परियोजना अटकी हुई थी। विभाग की ओर से पहले ही अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर दिया गया था। नोटिस के बाद कुछ लोगों ने स्वयं दुकानें खाली कर दी थीं। गुरुवार को विभाग की टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में ध्वस्तीकरण अभियान चलाकर 10 दुकानों को हटा दिया।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 18/2026 दिनांकः 08.06.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि मंडल सामग्री प्रबंधक, उ0म0रे0, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते हैं।

क्र.	निविदा सं.	विवरण	मात्रा	ई.म.डी.रु.	निविदा खुलने की तिथि
1	19256651A	सीएनसी वर्टिकल टर्निंग लेथ मशीन	01 नग	4,95,040/-	07.07.2026
2	19258726A	ट्रैक्शन मोटर टाइप हिताची 15250A के लिए कम्यूटेटिंग पोल असेंबली	26 सेट	2,38,080	07.07.2026

नोटः- 1. उपरोक्त सभी ई प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण-IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।, 2. उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं कि जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें।, 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म / लेटरहेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा।, 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट https:// www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1313/26 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 19/2026 दिनांक 09.06.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि. मंडल सामग्री प्रबंधक, उ.म.रे., प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते हैं।

क्रमांक	निविदा संख्या	विवरण	मात्रा	ई.म.डी
1	19265828A	सप्लाई, फिक्सिंग, कमेक्टिंग एंड कमीशनिंग ऑफ स्प्लिट एसी।	119 नग	₹ 1,11,200/-

निविदा खुलने की तिथि 01.07.2026

नोट- 1. उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T.Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट https://www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1314/26 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई टेंडर निविदा सूचना संख्याः GEM/2026/B/7649028 दिनांकः 10.06.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज, द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं, जिसका विवरण निम्नलिखित है:-

कार्य का नामः LOG, DBR, MFX, MJHR, NYN, JSR, PNHI, BRG, KTDD, SRJ & IDGJ रेलवे स्टेशनों पर तीन साल के लिए पूरी सफाई व्यवस्था (सफ़ाई, झाड़ू-पोंछा, कचरा बीनना, कचरा इकट्ठा करना और उसका निपटान आदि) - आउटकम एक्टिविटी बेस्ड - के लिए निविदा।

निविदा सिस्टमः दो पैकेट सिस्टम | ठेके की अवधिः तीन वर्ष

कार्य का अनुमानित लागत (जी.एस.टी. सहित): ₹ 4,87,96,397.30 | धरोहर राशिः ₹ 9,76,000/-

निविदा बंद होने की तिथि एवं समयः 24.07.2026 15:00

निविदा खोलने की तिथि एवं समयः 24.07.2026 15:30

नोटः- (1) उपरोक्त ई निविदा का पूरा विवरण। निविदा प्रपत्र सहित। Gem वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि से वेबसाइट www.gem.gov.in पर टेंडर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। (2) उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेंडरों को चाहिए कि वे अपने आपको Gem की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) संलग्न किये जाने वाले सभी दस्तावेज निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। (4) ई निविदा फार्म सभी निविदाकारों को निःशुल्क जारी किये जायेंगे। (5) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए Gem की वेबसाइट की हेल्पलाइन से संपर्क किया जा सकता है। 1330/26 (A)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई - निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज, द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं, जिसका विवरण निम्नलिखित है :-

ई-टेंडर निविदा सूचना संख्याः GEM/2026/B/7648832 Dated 10.06.2026

कार्य का नामः AGY, LUSA, SBDR, CUK, PRE, DAP, JEP, KYT, NPBR, CAR, SKGH, JHG & KHRY रेलवे स्टेशनों पर तीन साल के लिए पूरी सफ़ाई व्यवस्था (सफ़ाई, झाड़ू-पोंछा, कचरा बीनना, कचरा इकट्ठा करना और उसका निपटान आदि) -आउटकम एक्टिविटी बेस्ड - के लिए निविदा।

निविदा सिस्टमः दो पैकेट सिस्टम | ठेके की अवधिः तीन वर्ष | धरोहर राशिः ₹ 6,26,000/-

कार्य का अनुमानित लागत (जी.एस.टी. सहित): ₹ 3,12,98,813.59

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 10.07.2026 15:00

निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 10.07.2026 15:30

नोटः1. उपरोक्त ई निविदा का पूरा विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) Gem वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि से वेबसाइट www.gem.gov.in पर टेंडर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। 2. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेंडरों को चाहिए कि वे अपने आपको Gem की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. संलग्न किये जाने वाले सभी दस्तावेज निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। 4. ई निविदा फ़ार्म सभी निविदाकारों को नि शुल्क जारी किये जायेंगें। 5. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए Gem की वेबसाइट की हेल्पलाइन से संपर्क किया जा सकता है। 1329/26(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

देश की कामयाबी में भागीदार बनने का सुनहरा अवसर

'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना का विशिष्ट आयोजन

भारत सरकार द्वारा वर्ष 2022-23 के बजट में एक स्टेशन एक उत्पाद योजना की घोषणा की गई थी। इस योजना में भारतीय रेलवे के समस्त स्टेशन पर Vocal for Local Vision के तहत स्थानीय उत्पाद को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नीति सं0 12 of 2022 दि0 20.05.2022, 15 of 2022 दि0 10.08.2022, 18 of 2022 दि0 20.09.2022, 09 of 2023 दि0 24.05.2023 एवं 29.09.2023 के अंतर्गत स्थानीय व्यक्तियों, स्वयं सेवी संस्था, स्वयं सेवी समूह, एनजीओ आदि को स्टाल एवं ट्रॉली उपलब्ध कराना है। उत्तर मध्य रेलवे भी इस योजना के तहत निम्न स्टेशनों पर स्टाल/कीओस्क के माध्यम से विक्रय/व्यापार केंद्र की सुविधा उपलब्ध करवाया जाना सुनिश्चित है।

स्टेशनों की सूची

मण्डल के सोनभद्र, मिर्जापुर, विंध्याचल, चुनार, मानिकपुर, प्रयागराज-छिवकी, फतेहपुर, कानपुर सेंट्रल, पनकीधाम, कानपुर अनवरगंज, फफूंद, मैनपुरी, हाथरस, अलीगढ़, सोमना, अछनेरा, शिकोहाबाद, रूरा, भरथना, दादरी, डाबर, इटावा, खुर्जा, फिरोजाबाद रेलवे स्टेशनों पर ओएसओपी की स्थापना हेतु आवेदन की मांग मण्डल कार्यालय द्वारा की जा रही है। नोटः (1) उपर्युक्त स्टेशनों में से जिन स्टेशनों के आवेदन पूर्व में आमंत्रित आवेदनों में अभी भी लंबित हैं, उनके आवेदनों के निस्तारण के पश्चात ही इस विज्ञापन के अंतर्गत प्राप्त नवीनतम आवेदनों पर समिति द्वारा क्रम/प्राथमिकता के अनुसार विचार किया जाएगा तथा प्राप्त आवेदनों को शेष आवेदनों के साथ व्यवस्थित किया जाएगा। रेल प्रशासन किसी भी स्टेशन के लिए आवश्यकतानुसार बिना कोई कारण बताए किसी भी आवेदन को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। (2) इसके अतिरिक्त यह भी स्पष्ट किया जाता है कि जिन नामित स्टेशनों के लिए आवेदन प्राप्त नहीं होते हैं, उन स्टेशनों पर उपलब्ध स्टॉलों एवं ट्रॉलियों को अपने विवेकानुसार मंडल के अन्य स्टेशनों पर स्थानांतरित/स्थापित करने तथा उक्त स्टॉलों एवं ट्रॉलियों का संचालन करने का अधिकार रेल प्रशासन के पास सुरक्षित है।

योजना की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं:-

1. इस योजना के अंतर्गत रेलवे प्रशासन नामित स्टेशनों पर स्थल: स्टाल/ट्रॉली बनवाकर उपलब्ध करायेगी।
2. पंजीकरण शुल्क एवं स्टाल/कीओस्क की अवधि न्यूनतम 15 दिन (पंजीकरण शुल्क 1000/500) व अधिकतम 03 माह (पंजीकरण शुल्क 6000/3000) है।
3. अधिकतम 02 सेल्स मैन (प्लेटफार्म वेंडर सहित) प्रत्येक स्टाल प्रत्येक शिफ्ट में कार्य हेतु अधिकृत होंगे।
4. विद्युत प्रभार उपभोग के आधार पर लिया जाएगा जैसा की नीति सं. 09 ऑफ 2023 दि0 24.05.2023 में निर्धारित है।
5. यदि कोई देय हो प्रभावी ठेका की देनदारी आवंटी की होगी, इसके लिए रेल प्रशासन जिम्मेदार नहीं होगा।
6. इस स्टाल पर स्थानीय उत्पाद, हस्तशिल्प, हैंडलूम, स्थानीय कृषि उत्पाद, स्थानीय कारीगरी, संसाधित एवं अर्ध संसाधित खाद्य पदार्थ, परंपरागत परिधान, लकड़ी अथवा मिट्टी से बनी वस्तुएं, खिलौने व ऐसी वस्तुएं जो हमारे स्टेशन स्टाल पर विक्रय न किये जाते हो आदि का विक्रय किया जा सकता है।

इच्छुक व्यक्ति/संस्थाएं स्वयं सेवी संस्था, स्वयं सेवी समूह, एनजीओ अपना आवेदन आवश्यक दस्तावेज/प्रमाण पत्र के साथ स्टेशन अधीक्षक सोनभद्र, मिर्जापुर, विंध्याचल, चुनार, मानिकपुर, प्रयागराज-छिवकी, फतेहपुर, कानपुर सेंट्रल, पनकीधाम, कानपुर अनवरगंज, फफूंद, मैनपुरी, हाथरस, अलीगढ़, सोमना, अछनेरा, शिकोहाबाद, रूरा, भरथना, दादरी, डाबर, इटावा, खुर्जा, फिरोजाबाद रेलवे स्टेशन उ0म0रे0 के कार्यालय में दि0 15.06.2026 तक अवश्य प्रस्तुत करें/जमा करें। किसी प्रकार की सहायता/जानकारी (Guidance) के लिए खण्ड के वाणिज्य निरीक्षक से संपर्क कर सकते हैं जिनकी सूची निम्नवत है:

क्रम	स्टेशन	इस योजना से संबंधित किसी भी जानकारी हेतु निम्नलिखित खण्ड अधिकारी निरीक्षक से संपर्क कर सकते हैं	दूरभाष नं0
1	अलीगढ़ एवं सम्बंधित खंड/स्टेशन	श्री संजय शुक्ला	9794837282
2	इटावा एवं सम्बंधित खंड/स्टेशन	श्री रोहित	9794837323
3	मिर्जापुर एवं सम्बंधित खंड/स्टेशन	श्री राजेश कुमार	9794837292
4	टूंडला एवं सम्बंधित खंड/स्टेशन	श्री मनोज कुमार	9794837321
5	फतेहपुर एवं सम्बंधित खंड/स्टेशन	श्री कपिल देव मीना	7978874526
6	खुर्जा एवं दादरी एवं सम्बंधित खंड/स्टेशन	श्री हनुमान मीना	9794837324
7	चुनार एवं सम्बंधित खंड/स्टेशन	श्री राम देव अकेला	9140712727
8	प्रयागराज छिवकी एवं सम्बंधित खंड/स्टेशन	श्री ओमप्रकाश	9794838865
9	कानपुर हरिया-2 एवं सम्बंधित खंड/स्टेशन	श्री ललित गुप्ता	9616331233
10	कानपुर सेंट्रल एवं सम्बंधित खंड/स्टेशन	श्री विनय अर्पी	9079610466

- इस योजना से सम्बंधित अन्य कोई जानकारी हेतु श्री ए0 सी0 पाण्डेय, वाणिज्य निरीक्षक-I/एनसीआर, (मो.नं. 7525001449) या श्री पंकज कुमार पाठक, वाणिज्य निरीक्षक -II /एनसीआर, (मो.नं. 7525001455), मंडल कार्यालय, प्रयागराज एवं ई मेल- cmialddiv@gmail.com से संपर्क कर सकते हैं।

नोट : OSOP में प्रतिभागियों का चयन इस बात को ध्यान में रखते हुए किया जा सकता है कि इस योजना का लाभ आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों तक पहुँचना है। इस योजना में निम्नलिखित को प्राथमिकता दी जाएगी :

- विकास आयुक्त हस्तशिल्प, विकास आयुक्त हथकरघा या अधिकृत राज्य/केंद्र सरकार प्राधिकरण द्वारा जारी कारीगर/बुनकर, आई डी कार्ड धारक।
- भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास महासंघ (TRIFED)/राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम (NHDC)/खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) आदि में नामांकित/पंजीकृत व्यक्तिगत कारीगर/ बुनकर/शिल्पकार।
- पीएमईजीपी (प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम) के साथ पंजीकृत स्वयं सहायता समूह।
- समाज में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग।
- "दिव्यांगजन", आवेदक को भी OSOP में प्राथमिकता दी जाएगी।
- जिन स्टेशनों पर फल और जूस के स्टॉल चल रहे हैं, वहां मौसमी फलों के लिए आवेदन स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

नोट : खाद्य पदार्थ (उत्पाद) की स्थिति में आवेदक के पास में वैध फूड लाइसेंस (FSSAI) होना अनिवार्य है।

उत्तर मध्य रेलवे 1309/26 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.....

विकास और विश्वास

सत्ता शीर्ष पर बारह साल के कार्यकाल के दौरान अनेक विशिष्ट उपलब्धियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हिस्से में आई हैं। एक विशेष उपलब्धि यह भी है कि पहले गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने पहले प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। पं. नेहरू ने पहले आम चुनाव के बाद 13 मई, 1952 को विधिवत निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल शुरू किया, जो 1964 तक चला। वहीं नरेंद्र मोदी ने 26 मई, 2014 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ 9 जून, 2024 को ली। निश्चय ही भारत जैसे विशाल, सांस्कृतिक विविधता वाले तथा दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश का इतने लंबे समय तक प्रधानमंत्री बने रहना एक बड़ी उपलब्धि कही जाएगी। भाजपा नीत राजग गठबंधन सरकार के हिस्से में यूं तो कई उपलब्धियां हैं, लेकिन एक सशक्त केंद्र सरकार देश की एकता–अखंडता के लिए प्रतिबद्ध रही है। निस्संदेह, मोदी युगीन इन बारह सालों को अनुच्छेद–370 हटाने, नक्सलवाद के खात्मे, आतंकवाद के खिलाफ आक्रामक सुरक्षा नीति, आध्यात्मिक पर्यटन, महिला आरक्षण, डिजिटल इंडिया मुहिम, तीन तलाक से मुक्ति व आर्थिक आरक्षण की उपलब्धियों के लिए याद किया जाएगा। निस्संदेह, कुछ फैसले ऐसे रहे हैं जिन्होंने देश को नई दिशा दी। लोगों को गरिमा व अवसर दिलाने के उद्देश्य से प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, स्वच्छ भारत, पीएम आवास योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं बदलावकारी कही जाती हैं। साथ ही उन लोगों को 'अंत्योदय दृष्टि' से प्रेरित होकर लाभ देने की कोशिश हुई, जो असमानता के चलते पीछे छूट गए थे। बड़ी संख्या में जनधन खाते खोले जाने का लाभ विशेष रूप से महिलाओं को मिला। जहां डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से जहां लोगों को समय पर मदद मिली, वहीं बिचौलियों पर नकेल कसने से भ्रष्टाचार पर अंकुश भी लगा। मोदी सरकार ने 'एक देश, एक कर' की सोच को जीएसटी लागू करके हकीकत बनाया। जब नरेंद्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री की कुर्सी पर विराजे थे तो उन्होंने उद्घोष किया था कि न 'खाऊंगा और न खाने दूंगा।' यह हकीकत है मानवीय दुर्बलताओं और समाज में लगातार बढ़ती भौतिकवाद की सोच के चलते समाज में भ्रष्टाचार पर अपेक्षित लगाम नहीं लगी, लेकिन उनके कार्यकाल में कोई मंत्री प्रत्यक्ष तौर पर किसी बड़े भ्रष्टाचार में लिप्त नजर नहीं आया। निस्संदेह, खाड़ी संकट के चलते महंगे हुए पेट्रोलियम पदार्थों से महंगाई असर दिखा रही है, लेकिन समय रहते प्रबंधन के चलते वैसे हालात भी नहीं पैदा हुए, जैसे हमारे पड़ोसी देशों में नजर आ रहे हैं। अमेरिका दबाव के बावजूद रणनीतिक ढंग से रूस से सस्ता तेल खरीदकर मोदी सरकार ने जहां देश के आपातकालीन पेट्रोलियम भंडारण को बढ़ाया, वहीं दुर्लभ विदेशी मुद्रा की भी बचत की। आज देश ने कच्चे तेल के खरीद के विकल्पों को विस्तार दिया है, जो संकटकाल में मददगार साबित हुए हैं। यह अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री द्वारा सौर ऊर्जा, स्वच्छ ऊर्जा आदि वैकल्पिक संसाधनों के लिए जो अभियान चलाए गए, उन्होंने पश्चिम एशिया संकट के दौरान देश की आर्थिकी को संबल दिया। एक समय विपक्षी नेता पेट्रोल में एथनॉल मिलाए जाने को लेकर आलोचना कर रहे थे, लेकिन यह फैसला मौजूदा ऊर्जा संकट में मददगार साबित हुआ। भारत एक विकासशील देश है, बड़ी आबादी जहां इसकी ताकत है, वहीं कमजोरी भी है। देश के अस्सी करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराना जहां एक बड़ी उपलब्धि है, वहीं लोगों को स्वावलंबी बनाने की दिशा में कदम उठाने के लिए पहल करने को भी रेखांकित करता है। हालांकि, कोरोना संकट, रूस–यूक्रेन युद्ध, इस्राइल–हमास संघर्ष और फिर ईरान अमेरिका–इस्राइल युद्ध के संकट से पूरी दुनिया की आपूर्ति शृंखला बुरी तरह प्रभावित हुई है, लेकिन राजग सरकार इन चुनौतियों का बखूबी मुकाबला करती नजर आई। इसके बावजूद मोदी सरकार की फिलहाल बेरोजगारी व महंगाई पर अंकुश लगाना प्राथमिकता होनी चाहिए। भारत युवाओं का देश है, इस युवाशक्ति का देश हित में कैसे बेहतर इस्तेमाल हो सकता है, इसकी दृष्टि निश्चय ही प्रधानमंत्री के पास है। तभी सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास का लक्ष्य पूरा हो सकेगा।

इंडिया गठबंधन की बैठक का संदेश-हम नहीं सुधरेंगे

अनिल जैन

लोकसभा में संख्याबल के लिहाज से जितना मजबूत विपक्ष इस समय है, उतना पहले कभी नहीं रहा, लेकिन इसी के साथ हकीकत यह भी है कि विपक्ष जितना दिशाहीन और निस्तेज आज है, उतना पहले कभी नहीं रहा। यही वजह है कि सरकार अल्प बहुमत में होने के बाद भी जो चाहती है, वह कर गुजरती है और विपक्ष देखता रह जाता है। विपक्षी एकता का प्रदर्शन कभी–कभार संसद में तो दिख जाता है परन्तु सरकार के खिलाफ जनहित के मुद्दों पर वह एकता आंदोलनात्मक कार्रवाई के रूप में सड़कों पर कभी दिखाई नहीं देती है। विपक्ष की यह दिशाहीनता और उदासीनता सोमवार को उसके इंडिया गठबंधन की बैठक में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दी। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने वाले कानून और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक पर दो महीने पहले सरकार और भारतीय जनता पार्टी को करारी शिकस्त देने के बाद हुई विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन की बहुप्रतीक्षित बैठक काफी अहम मानी जा रही थी। उम्मीद की जा रही थी कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर महीनों तक चली बहस और सुनवाई के बाद चुनाव आयोग के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट के एकतरफा फैसले और पश्चिम बंगाल व असम में चुनाव आयोग की पक्षपाती भूमिका स्पष्ट रूप से देख लेने के बाद विपक्षी दल इस बैठक में इंडिया गठबंधन को व्यावहारिक आकार देंगे और सरकार को घेरने की कोई ठोस रणनीति व कार्यक्रम बनाएंगे। ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। करीब ढाई घंटे तक चली बैठक में 25 दलों के नेताओं ने भाग लिया। ये 25 दल संसद में देश की लगभग 65 फीसदी जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं और जिन्हें यह भी अच्छी तरह से अहसास होगा ही कि पेट्रोल–डीजल व रसोई गैस के लगातार बढ़ते दामों और सरकार की अन्य जनविरोधी नीतियों व फैसलों के चलते जनता इस समय किन मुश्किलों का सामना कर रही है। बैठक में इस मुद्दे पर सरकार के खिलाफ किसी साझा आंदोलन का फैसला करने के बजाय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मांग की गई कि वह आर्थिक संकट, महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं पर चर्चा करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाए। प्रधानमंत्री से सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग अपने आप में हास्यास्पद तो है ही, यह उसकी नासमझी भी है। सोचने वाली बात है कि विपक्ष उस प्रधानमंत्री से आर्थिक संकट पर सर्वदलीय बैठक बुलाने को कह रहा है, जिसने अमेरिकी दबाव में आकर दिशाहीन फैसले लेते हुए देश के समक्ष इस संकट को न्योता दिया है, जो अपने अहंकार के चलते विपक्ष के किसी सवाल का जवाब तक देना उचित नहीं समझता है और जो कभी सर्वदलीय बैठक में भी शामिल नहीं होता। सवाल है कि ऐसे प्रधानमंत्री के सामने यह मांग रख कर विपक्ष क्या हासिल करना चाहता है? विपक्षी नेताओं की बैठक में चुनावी धांधली और एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग की मनमानी पर भी चिंता जताई गई पर इस सवाल पर भी किसी साझा आंदोलन की योजना की बनाने के बजाय सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत को पत्र लिखने का फैसला किया गया, जो कि किसी मजाक से कम नहीं है। सवाल है कि जिस प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने महीनों तक चली बहस और सुनवाई के बाद भी चुनाव आयोग की मनमानी के खिलाफ एक नहीं सुनी, जो चीफ जस्टिस देश के बेरोजगार नौजवानों को कॉकरोच बता कर लंदन में गरमी की छुट्टियां मनाते हुए बेडमिंटन खेल रहे हैं, उन्हें अब आप पत्र में ऐसा क्या लिख देंगे जिससे उसकी अंतरात्मा जाग जाएगी और अपने संवैधानिक कर्तव्य याद आ जाएंगे?

नीट और सीबीएसई की परीक्षाओं में हुई गंभीर गड़बड़ियों को लेकर विपक्षी नेताओं ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की है, लेकिन इसके लिए कोई अल्टीमेटम नहीं दिया गया है। मानो विपक्ष के मांग करने भर से शिक्षा मंत्री इस्तीफा दे देंगे या मोदी उनसे इस्तीफा मांग लेंगे। विपक्ष से ज्यादा सटीक ढंग से तो यह मांग कॉकरोच जनता पार्टी के नाम पर जंतर–मंतर पर जुटे युवाओं ने सरकार से की है और इसके लिए एक हफ्ते का अल्टीमेटम दिया है। बहरहाल सवाल यह भी है कि अगर धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हो भी गया तो उससे क्या होगा? उनकी जगह किसी अन्य श्धर्मेंद्र प्रधानश को शिक्षा मंत्री बना दिया जाएगा। द्रविड़ मुनैत्र कड़गम यानी डीएमके इंडिया गठबंधन का महत्वपूर्ण घटक रहा है, लेकिन उसने कांग्रेस से अपनी नाराजगी के चलते गठबंधन से नाता तोड़ लिया है। यही नहीं, उसने लोकसभा में कांग्रेस के साथ बैठने से इनकार करते हुए अपने 22 सदस्यों के बैठने के लिए अलग व्यवस्था करने का अनुरोध भी स्पीकर से किया है। इंडिया गठबंधन की बैठक में डीएमके को मनाने और उसे फिर से साथ में लाने पर चर्चा होनी चाहिए थी लेकिन नहीं हुई। इंडिया गठबंधन की बैठक से पहले भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) यानी सीपीएम के महासचिव एमए बेबी ने भी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को एक पत्र लिख कर कांग्रेस के शीर्ष नेताओं द्वारा केरल में चुनाव प्रचार के दौरान लगाए गए सीपीएम और भाजपा के बीच सौदेबाजी के आरोप और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से वहां के तत्कालीन मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर सख्त आपत्ति और नाराजगी जताई। सीपीएम महासचिव ने अपने पत्र में कहा कि उनकी पार्टी ऐसे बेबुनियाद आरोपों को हल्के में नहीं ले सकती क्योंकि यह भाजपा के खिलाफ बनी विपक्षी एकता की बुनियाद पर हमला है। यह बात इंडिया गठबंधन की बैठक में सीपीएम के नेता जॉन ब्रिटास ने भी उठाई, जिस पर राहुल गांधी ने बेहद चलताऊ जवाब दिया। उन्होंने कहा कि राज्यों में चुनाव के दौरान स्थानीय राजनीतिक परिस्थितियों और पार्टी इकाइयों के सुझावों को भी ध्यान में रखना होता है। इंडिया गठबंधन को अस्तित्व में आए तीन साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन अभी तक गठबंधन का कोई संगठनात्मक ढांचा नहीं बन पाया है। न तो उसका कोई अध्यक्ष या संयोजक चुना जा सका है और न ही कोई संचालन या समन्वय समिति गठित हो सकी है। गठबंधन का कोई सचिवालय और उसके प्रवक्ताओं का पैनल भी आज तक नहीं बन पाया है। चूंकि पिछले तीन सालों के दौरान गठबंधन में शामिल सभी पार्टियां ठोकर खा चुकी हैं, इसलिए इस बार उम्मीद की जा रही थी कि गठबंधन के नेता जब बैठेंगे तो इन सभी मसलों पर कोई ठोस निर्णय लेंगे। कांग्रेस गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी है, इसलिए ऐसे मसलों पर पहल की उम्मीद उससे ही की जाती है, लेकिन इस बैठक में न तो कांग्रेस ने और न ही बाकी दलों ने इस बारे में कोई बात की। अलबत्ता बैठक में यह जरूर तय हुआ कि अब से हर दो महीने में गठबंधन में शामिल दलों की बैठक हुआ करेगी और अगली बैठक आगामी अगस्त महीने में हैदराबाद में होगी। इसके अलावा संसद के मानसून सत्र के दौरान संसदीय समन्वय भी जारी रहेगा और हर सुबह नेता प्रतिपक्ष के कार्यालय में समन्वय बैठक होगी। लेकिन सवाल है कि इन सब बातों के ढाई घंटे तक बैठक करने की क्या जरूरत थी। यह सब बातें तो फोन पर चर्चा के जरिये भी तय हो सकती थीं। दो साल तक कई ठोकरें खाने के बाद गठबंधन की बैठक करने की जरूरत महसूस हुई, बैठक हुई लेकिन नतीजा आया– श्खोदा पहाड़, निकली मरी हुई चुहिया।

तेल के बदले एथेनाल: समाधान जब समस्या बन जाए?

निलेश देसाई

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध, वैश्विक अस्थिरता और बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं ने दुनिया को एक बार फिर ऊर्जा संकट के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहे दबाव के बीच भारत में इन दिनों एथेनॉल ब्लेंडिंग (पेट्रोल में एथेनॉल का मिश्रण) को ऊर्जा सुरक्षा के एक बड़े समाधान के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। सरकार ने 2025–26 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। गन्ना, मक्का, चावल जैसी स्टार्च वाली फसलों से बनाया जाने वाला श्एथिल अल्कोहलश या एथेनाल पहली दृष्टि में देश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता, आयातित तेल पर निर्भरता में कमी और कार्बन उत्सर्जन घटाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम प्रतीत होता है। प्रश्न यह है कि क्या हम तेल आयात का बिल कम करने की जल्दबाजी में अपनी आने वाली पीढ़ियों का पानी, भूमि और खाद्य–सुरक्षा दांव पर लगा रहे हैं? इतिहास की चेतावनी–मौजूदा विकास के इतिहास को देखें तो पता चलता है कि जब भी किसी तात्कालिक संकट के समाधान के लिए जल्दबाजी में कोई नीति लागू की गई, वह कुछ समय बाद स्वयं एक बड़े संकट का कारण बन गई। आज एथेनॉल के संदर्भ में भी हमें इसी ऐतिहासिक अनुभव से सीखने की आवश्यकता है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जहां तत्कालीन समस्याओं के समाधान ने भविष्य के लिए नई चुनौतियों को जन्म दिया। हरित क्रांति–साठ और सत्तर के दशक में देश खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था। रासायनिक उर्वरकों, संकर बीजों और अत्यधिक सिंचाई पर आधारित हरित क्रांति ने तत्कालीन भूख की समस्या का समाधान किया और भारत को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया, किंतु आज वही मॉडल मिट्टी की उर्वरता में गिरावट, जैव–विविधता के क्षरण, रासायनिक प्रदूषण और भूजल–दोहन जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन चुका है। पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में भूजल स्तर चिंताजनक रूप से नीचे जा चुका है। नलकूप क्रांति–किसानों को मानसून की अनिश्चितता से बचाने के लिए नलकूपों और भूजल आधारित सिंचाई को प्रोत्साहित किया गया। कुछ दशकों बाद स्थिति यह है कि भारत विश्व में भूजल का सबसे बड़ा दोहनकर्ता बन गया है और अनेक क्षेत्र डार्क जोन घोषित किए जा चुके हैं। आज एथेनॉल नीति के संदर्भ में भी यही प्रश्न हमारे सामने खड़ा है। क्या हम ऊर्जा सुरक्षा की खोज में जल–सुरक्षा और खाद्य–सुरक्षा को खतरे में डाल रहे हैं? आंकड़ों के पीछे छिपा जल संकट–भारत में वर्तमान में मुख्यतरू पहली पीढ़ी (1जी) के एथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ना, चावल और जीएम (जीनेटिकली मॉडीफाइड) मक्का जैसी खाद्य फसलों का उपयोग किया जा रहा है। ये फसलें अत्यधिक पानी की मांग करती हैं। एक लीटर चावल आधारित एथेनॉल उत्पादन के लिए लगभग 10,790 लीटर पानी की आवश्यकता होती है। एक लीटर गन्ना आधारित एथेनॉल के लिए लगभग 3,630 लीटर पानी खर्च होता है। एक लीटर जीएम मक्का आधारित एथेनॉल के लिए लगभग 4,670 लीटर पानी की आवश्यकता पड़ती है। भारत के अनेक राज्य पहले से ही जल संकट का सामना कर रहे हैं। महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के कई क्षेत्रों में गर्मियों के दौरान पेयजल तक का संकट खड़ा हो जाता है। ऐसे में ज्यादा पानी वाली फसलों को ईंधन उत्पादन के लिए बढ़ावा देना दीर्घकालिक दृष्टि से गंभीर चिंता का विषय है। खेती की विविधता का क्षरण–भारत के लगभग 86 प्रतिशत किसान छोटे और सीमांत हैं। इनके पास दो हेक्टेयर से कम भूमि है जिस पर वे अपने भोजन एवं अन्य जरूरत की फसलें लेते हैं। एथेनॉल उद्योग की बढ़ती मांग और बाजार के आकर्षण ने खेती के इस स्वरूप में तेजी से बदलाव लाना शुरू कर दिया है। परंपरागत रूप से किसान अनाज, दालें, तिलहन, सब्जियां और पशुपालन को एकीकृत रूप से अपनाता था। इससे खाद्य–सुरक्षा सुनिश्चित होती थी। आज नकदी फसलों और एकल खेती के विस्तार के कारण किसान स्वयं अपने भोजन के लिए बाजार पर निर्भर होता जा रहा है। बीज संप्रभुता का संकट–देशी बीजों की परंपरा लगातार कमजोर हो रही है। किसान अब बाजार आधारित संकर बीजों, रासायनिक उर्वरकों और बाहरी आदानों पर अधिक निर्भर होता जा रहा है। इससे खेती की लागत बढ़ती है और किसानों की ऋणग्रस्तता गहराती है। ग्रामीण समाज में अड़जी–पड़जी जैसी परंपराएं, जिसमें लोग एक–दूसरे के खेतों में श्रमदान करते थे, धीरे–धीरे समाप्त होती जा रही हैं। यंत्रीकरण और व्यावसायिक खेती ने सामुदायिक संबंधों को कमजोर किया है।

भोजन बनाम ईंधन–एथेनॉल नीति का सबसे गंभीर प्रश्न भोजन बनाम ईंधन का है। जब उपजाऊ भूमि और खाद्य फसलें वाहनों के लिए ईंधन उत्पादन में लगाई जाएंगी, तो खाद्य–सुरक्षा पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। यदि किसान अधिक लाभ के कारण दालों और तिलहनों की खेती छोड़कर एथेनॉल की ओर आकर्षित होते हैं, तो भविष्य में देश को दालों और खाद्य तेलों के आयात पर निर्भर होना पड़ सकता है। ऐसे में हम पेट्रोलियम आयात का बिल तो घटा देंगे, लेकिन भोजन आयात का बिल बढ़ा लेंगे।

ग़ज़ल

लहू उसी के लिए धड़कनें उसी के लिए
मुझे जो छोड़ गई और ही किसी के लिए

तमाम मुश्किलें मुझसे हिसाब माँगेंगी
अगर मैं रंज करूँ अपनी बेबसी के लिए

सफ़र बिगड़ भी गया मंज़िलों की फ़िक्र न की
बना भी आया हूँ एक राह वापसी के लिए

कभी कभी तो ये आँसू भी मुसकुराए हैं
तेरी ख़ुशी के लिए और मेरी हँसी के लिए

जो अपनी भूख को लाचारगी समझती है
न काफ़ी कोई मदद ऐसी मुफ़िलसी के लिए

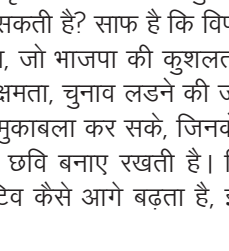

– डॉ० अवनीश यादव
पी०ई०एस०
(प्रांतीय शिक्षा सेवा संवर्ग)
उत्तर प्रदेश

इंडिया गठबंधन में दरारें: एकता बनाम बिखराव

पूनम आई. कौशिश

दलबदल, आहत अहंकार और टूटी वफादारी के इस दौर में, हालिया राज्य चुनावों में तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक और माकपा की हार और निराशा के कारण विपक्ष के 'इंडिया' ब्लॉक में दरारें और

गहरी हो गईं। कल 25 विपक्षी दलों की बैठक में अंदरूनी मतभेद और तनाव और बढ़ गए। ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी और आर्थिक दबाव जैसे मुद्दों पर भाजपा–विरोधी रुख बनाए रखने के बावजूद गठबंधन की एकता बहुत कमजोर स्थिति में है। यह सब राहुल गांधी के 'एकजुट रहने पर हम टिके रहेंगे, बंटने पर गिर जाएंगे' के आह्वान के बावजूद हो रहा है। निश्चित रूप से, गठबंधन में कांग्रेस की केंद्रीय भूमिका पर दबाव बढ़ा है और कुछ सहयोगी दल खुले तौर पर उसके रवैए पर सवाल उठा रहे हैं। इसकी शुरुआत तब हुई, जब द्रमुक ने घोषणा की कि वह लंबे समय से सहयोगी रही कांग्रेस के साथ जगह सांझा करने को तैयार नहीं, जिसने द्रमुक से संबंध तोड़कर विजय की टी.वी.के. से हाथ मिलाया और तमिलनाडु में उनकी सरकार का हिस्सा बनी। आम आदमी पार्टी और विजय की टी.वी.के. भी गठबंधन में शामिल नहीं हैं। जहां झामुमो झारखंड की 2 राज्यसभा सीटों में से 1 के लिए कांग्रेस द्वारा एकतरफा उम्मीदवार घोषित करने से नाराज है, वहीं माकपा ने पूर्व मुख्यमंत्री विजयन पर हमलों को लेकर कड़ी नाराजगी जताई है। पश्चिम बंगाल में ममता की तृणमूल कांग्रेस और संसद में बागी संकट के बीच, जहां 59 विधायक और 20 सांसद अलग हो गए हैं, वह राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आगे की राह तय करने के लिए संघर्ष कर रही हैं, क्योंकि उनका राजनीतिक अस्तित्व संवैधानिक सत्ता बनाए रखने पर टिका है। कांग्रेस भी तृणमूल कांग्रेस के संकट पर नजर रखे हुए है। तृणमूल कांग्रेस का मामला उन क्षेत्रीय दलों के लिए पीढ़ीगत संकट को उजागर करता है, जिन्होंने पिछले 3 दशकों में करिश्माई नेताओं की बदौलत असाधारण सफलता हासिल की थी, लेकिन अब वे अस्तित्व के संकट का सामना कर रही है। राजद, बीजद, तृणमूल कांग्रेस, शिव सेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और द्रमुक जैसी पार्टियां, जो एक मजबूत नेता के इर्द–गिर्द एकजुट होकर बची रहीं, आज उनके सामने एक कठिन विकल्प है, या तो किसी चुने हुए उत्तराधिकारी को कमान सौंपकर बगावत को न्यौता दें, या फिर अपने संस्थापक परिवारों से किनारा कर पार्टी के बिखरने का जोखिम उठाएं। राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी होने के नाते, क्षेत्रीय पार्टियों को संसद में परिसीमन, संघवाद और केंद्र–राज्य संबंधों जैसे मुद्दों पर उसके साथ तालमेल बिठाना होगा। हालांकि, साथ ही क्षेत्रीय पार्टियां अधिक मुखर भी हो रही हैं। द्रमुक का अलग होना और माकपा की सार्वजनिक आलोचना यह दिखाती है कि सहयोगी दल अब कांग्रेस को गठबंधन के निष्ववाद नेता के रूप में स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। इसके अलावा, राज्य–स्तरीय प्रतिद्वंद्विताएं भी अनसुलझी हैं। कांग्रेस केरल में माकपा और बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ सीधे मुकाबले में है। उत्तर प्रदेश में उसकी और समाजवादी पार्टी की प्राथमिकताएं एक जैसी नहीं हैं और अन्य जगहों पर भी सहयोगियों के साथ उसका टकराव है। इस प्रकार, ये विरोधाभास हमेशा से गठबंधन की संरचनात्मक कमजोरी रहे हैं। जहां तक पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, अखिलेश की सपा या लालू की राजद की बात है, तो गठबंधन को जीवित रखने के लिए उनके पास सबसे मजबूत कारण हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी महाराष्ट्र में विपक्ष की एकता पर काफी हद तक निर्भर है, जहां वह कांग्रेस और ठाकरे की शिव सेना (उद्धव) के साथ मिलकर काम करती है। पवार ने ऐतिहासिक रूप से गठबंधन तोडने वाले की बजाय गठबंधन बनाने वाले की भूमिका निभाई है। सपा को कांग्रेस के साथ तालमेल से बार–बार फायदा हुआ है और वह गठबंधन की केंद्रीय हस्तियों में से एक बनी हुई है। राजद के लिए, राजग के खिलाफ कांग्रेस एक जरूरी सहयोगी है, क्योंकि अलग होने से बिहार में विपक्ष कमजोर हो जाएगा। आगे की बात करें तो 3 मुख्य संभावनाएं हैं–पुनर्गठन, न कि पूरी तरह खत्म होना–भले ही कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी बनी हुई है, लेकिन सपा, राजद, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, झामुमो जैसी क्षेत्रीय पार्टियां ज्यादा आजादी चाह सकती हैं। दूसरी, एक ढीला–ढाला संसदीय मोर्चा–पार्टियां संसद के अंदर तो तालमेल बनाए रखें लेकिन राज्य चुनावों में अलग–अलग लड़ें। तीसरी, क्षेत्रीय पाघ्टयां ऐसे गठबंधन ढांचे की मांग के लिए एकजुट हो सकती हैं जो कांग्रेस पर कम केंद्रित हो। मामला है, न कि 'बिखराव में एकता' वाला। क्या यह एक सार्थक राष्ट्रीय गठबंधन के तौर पर टिक पाएगा, यह काफी हद तक इस बात पर निर्भर करता है कि क्या कांग्रेस द्रमुक, माकपा, झामुमो, और तृणमूल कांग्रेस के साथ रिश्ते सुधार सकती है और गठबंधन को बनाए रखने के लिए मोदी के नेतृत्व वाले राजद को चुनौती देने के एक सांझा लक्ष्य पर कायम रह सकती है? साफ है कि विपक्ष को ऐसी भाषा और तरीका खोजना होगा, जो भाजपा की कुशलता, अलग–अलग आवाजों को उठाने की क्षमता, चुनाव लडने की जबरदस्त मशीनरी और उन संसाधनों का मुकाबला कर सके, जिनके दम पर वह अपनी संचार–प्रधानता और छवि बनाए रखती है। निश्चित रूप से, आने वाले दिनों में नैरेटिव कैसे आगे बढ़ता है, इस पर नजर रहेगी।

दूसरी बेंच के पास भेजा जाएगा जैकलीन फर्नांडिस का केस

> सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा ने आज गुरुवार को बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज की उस याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया, जिसमें उन्होंने २०० करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अपने खिलाफ आरोप तय करने के दिल्ली कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी।

महाठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जैकलीन फर्नांडिस का नाम भी है। इस मामले में अभिनेत्री ने अपने खिलाफ आरोप तय करने के दिल्ली की एक कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। मामला सुप्रीम कोर्ट में है। मगर, अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के जज प्रशांत कुमार मिश्रा ने सुनवाई से अपना नाम वापस ले लिया है। यह केस दूसरी बेंच के पास भेजा जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा ने आज गुरुवार को बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज की उस याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया, जिसमें उन्होंने 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अपने खिलाफ आरोप तय करने के दिल्ली कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। शुरुआत में ही, जस्टिस मिश्रा और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की बेंच ने एक्ट्रेस के वकील और प्रवर्तन निदेशालय को बताया कि इस मामले को किसी दूसरी बेंच के पास भेजा जाएगा। जस्टिस मिश्रा ने कहा, एक दिक्कत है। इससे जुड़े एक मामले में मेरे बेटे ने सरकार की तरफ से पैरवी की थी। इस मामले को 25 जून को ऐसी बेंच के सामने लिस्ट करें, जिसमें हममें से कोई भी सदस्य न हो।

फराह खान और रितेश देशमुख पहुंचे जेल के अंदर, नेटफ्लिक्स के लॉक अप का पहला वीडियो जारी

नेटफ्लिक्स ने अपने चर्चित रियलिटी शो स्वबा न्चचरू सच या सजा का पहला वीडियो रिलीज कर दिया है। जैसे ही यह छोटा सा टीजर सामने आया, वैसे ही दर्शकों के बीच शो को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई है। इस झलक ने सोशल मीडिया पर भी हलचल मचा दी है और लोग शो के कॉन्सेप्ट को लेकर कई तरह के कयास लगा रहे हैं। जारी किए गए वीडियो में फिल्म निर्माता और कोरियोग्राफर फराह खान और अभिनेता रितेश देशमुख जेल के अंदर नजर आ रहे हैं। दोनों की मौजूदगी ने शो को लेकर रहस्य और भी गहरा कर दिया है। फिलहाल यह साफ नहीं किया गया है कि शो में उनका क्या रोल होगा, लेकिन उनकी एंट्री ने दर्शकों की उत्सुकता को कई गुना बढ़ा दिया है। वीडियो में फराह खान और रितेश देशमुख को जेल सेल्स के भीतर घूमते हुए दिखाया गया है, जिससे शो के कॉन्सेप्ट को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। 'स्वबा न्चच' का यह नया संस्करण पहले से ही रहस्यमयी माहौल बनाए हुए है, और यह टीजर उसी सस्पेंस को और गहरा करता है। जैसे ही यह वीडियो सामने आया, शो को लेकर लोगों की दिलचस्पी और भी बढ़ गई है। दर्शक लगातार यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर इस बार लॉक अप सच या सजा में क्या नया देखने को मिलेगा और फराह–रितेश की मौजूदगी कहानी को किस दिशा में ले जाएगी। नेटफ्लिक्स का यह नया रियलिटी शो लॉक अप सच या सजा' 27 जून को स्ट्रीम किया जाएगा। शो के रिलीज से पहले ही इसका पहला लुक काफी चर्चा बटोर चुका है, और अब दर्शक इसके पूरे एपिसोड्स का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

नेहल ने दुल्हन बनकर बढ़ाई फैंस की धड़कनें, लेकिन सच निकला कुछ और ही!

बिग बॉस 19 की चर्चित कंटेस्टेंट और पूर्व ब्यूटी क्वीन नेहल चुडासमा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह उनका कोई नया प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर शेयर की गईं कुछ ऐसी तस्वीरें हैं, जिन्होंने फैंस को हैरान कर दिया। लाल जोड़े में सजी–धजी नेहल को देखकर लोगों को लगा कि उन्होंने अपने कथित बॉयफ्रेंड अमीन घेशमती के साथ गुपचुप शादी कर ली है। तस्वीरें सामने आते ही सोशल मीडिया पर बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया और फैंस उनकी नई जिंदगी के लिए शुभकामनाएं देने लगे। नेहल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ बेहद खूबसूरत तस्वीरें और एक वीडियो शेयर किया। तस्वीरों में वह पारंपरिक लाल लहंगे में नजर आ रही हैं। वहीं अमीन भी उनके साथ खास अंदाज में दिखाई दे रहे हैं। दोनों की केमिस्ट्री और तस्वीरों का रोमांटिक अंदाज किसी असली शादी से कम नहीं लग रहा था। तस्वीरों में नेहल अपने पार्टनर का हाथ थामे नजर आईं, जिससे लोगों को लगा कि दोनों ने अपने रिश्ते को नया नाम दे दिया है।

इन तस्वीरों के साथ नेहल ने एक छोटा लेकिन भावुक कैप्शन लिखा अभी भी इसे पचा पा रही हूं।ष बस फिर क्या था, इस एक लाइन ने फैंस की उत्सुकता और बढ़ा दी। लोगों ने बिना देर किए उन्हें शादी की बधाई देना शुरू कर दिया। कई लोगों को लगा कि नेहल ने चुपचाप शादी रचा ली है और अब इसकी जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दे रही हैं। पोस्ट सामने आने के बाद कई टीवी और सोशल मीडिया हस्तियों ने भी कमेंट सेक्शन में अपनी प्रतिक्रियाएं दीं। कुछ सितारों ने उन्हें बधाई दी, जिससे शादी की अटकलों को और बल मिला। यही वजह रही कि कुछ ही घंटों में यह पोस्ट सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई और लोग लगातार इसकी सच्चाई जानने की कोशिश करने लगे।

जहां कई लोग शादी की खबर को सच मान बैठे, वहीं कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने तस्वीरों को ध्यान से देखने के बाद अंदाजा लगाया कि यह किसी ब्राइडल फोटोशूट या प्रमोशनल कैंपेन का हिस्सा हो सकता है। एक यूजर ने लिखा कि यह शायद किसी विज्ञापन या ब्राइडल शूट की तस्वीरें हैं। वहीं दूसरे यूजर्स ने मजाकिया अंदाज में कहा कि अगर यह सच नहीं है तो दोनों को जल्द ही सच में शादी कर लेनी चाहिए। नेहल चुडासमा और अमीन घेशमती लंबे समय से एक–दूसरे के साथ तस्वीरें और वीडियो शेयर करते रहे हैं। दोनों को कई मौकों पर साथ देखा गया है और सोशल मीडिया पर उनकी बॉन्डिंग भी साफ नजर आती है। हालांकि दोनों के रिश्ते को लेकर अक्सर चर्चा होती रही है, लेकिन अब तक किसी ने भी आधिकारिक रूप से अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की है। यही कारण है कि शादी की इन तस्वीरों ने लोगों की उत्सुकता और बढ़ा दी। सबसे दिलचस्प बात यह है कि तस्वीरें वायरल होने के बाद भी नेहल चुडासमा ने इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। उन्होंने न तो शादी की पुष्टि की है और न ही इन तस्वीरों के पीछे की सच्चाई बताई है। ऐसे में फैंस अभी भी इंतजार कर रहे हैं कि आखिर यह तस्वीरें किसी असली शादी की हैं या फिर सिर्फ एक खूबसूरत फोटोशूट का हिस्सा। वर्कफ्रंट की बात करें तो नेहल चुडासमा टीवी और रियलिटी शोज की दुनिया का जाना–पहचाना चेहरा हैं। उन्हें आखिरी बार रियलिटी शो द 50 में देखा गया था। अपनी खूबसूरती, स्टाइल और सोशल मीडिया प्रेजेंस के चलते वह लगातार चर्चा में बनी रहती हैं। फिलहाल उनकी ये वायरल तस्वीरें इंटरनेट पर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं और फैंस बेसब्री से इस रहस्य के खुलने का इंतजार कर रहे हैं।

मां बनने के बाद अब फिर से Come Back करेंगी कैटरीना कैफ, ओटीटी से कर सकती हैं वापसी

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार माँ बनने के बाद अब कैटरीना कैफ धीरे–धीरे अपने प्रोफेशनल कमिटमेंट्स की ओर लौटने की तैयारी कर रही हैं। बताया जा रहा है कि वह इन दिनों कई नई फिल्मों और प्रेजेक्ट्स की स्क्रिप्ट्स पर विचार कर रही हैं। खबरों के मुताबिक कैटरीना कैफ इस समय किसी भी फिल्म या शो को जल्दबाजी में साइन करने के मूड में नहीं हैं। वह कैसी कहानियों को प्राथमिकता देना चाहती हैं जो उनकी जिंदगी के वर्तमान दौर और सोच के साथ मेल खाती हों। यही कारण है कि वह हर स्क्रिप्ट को बारीकी से पढ़कर उसके हर पहलू का आकलन कर रही हैं। खबरें यह भी हैं कि कैटरीना डिजिटल प्लेटफार्म पर कदम रखने की सम्भावना पर विचार कर रही हैं। यदि एक होता है तो यह उनके करियर का पहला ओटीटी प्रोजेक्ट होगा। आज के टाइम में बहुत से बड़ी–बड़ी हस्तियां भी वेब सीरीज और ओटीटी कंटेंट की ओर रुख कर रहे हैं, ऐसे में कैटरीना भी इस माध्यम को एक्स्प्लोर करने की इच्छुक नजर आ रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार वह साल 2027 के दूसरे हिस्से में शूटिंग फ्लोर पर वापसी कर सकती हैं। कैटरीना कैफ की आखिरी फिल्म 'मेरी क्रिसमस' थी, जिसमें उन्होंने विजय सेतुपति के साथ काम किया था। 12 जनवरी 2024 को यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

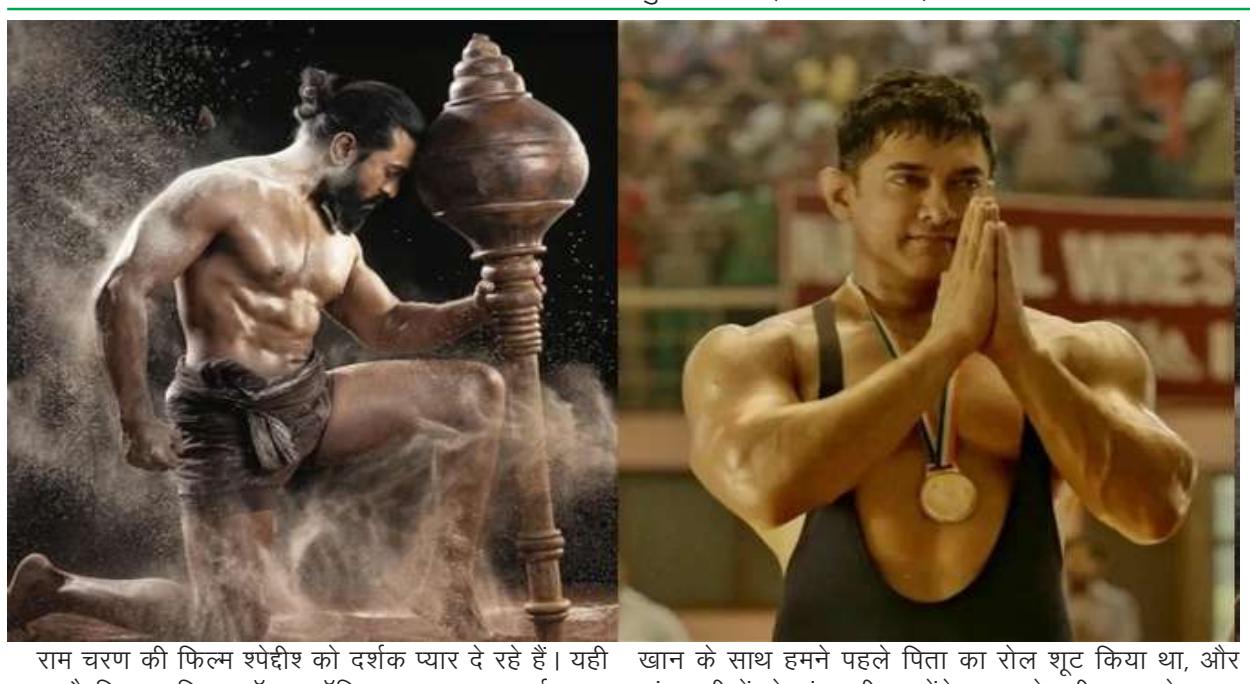

पेद्दी के एक्शन डायरेक्टर ने आमिर खान से की राम चरण की तुलना, शूटिंग के दौरान इस वजह से याद आई फिल्म दंगल

राम चरण की फिल्म श्पेद्दीश को दर्शक प्यार दे रहे हैं। यही वजह है कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस फिल्म के एक्शन डायरेक्टर शाम कौशल ने फिल्म से जुड़े कुछ दिलचस्प किस्से बताए हैं। उन्होंने राम चरण की तारीफ करते हुए फिल्म दंगल को याद किया और आमिर खान से उनकी तुलना की। इंडिया टुडे से बातचीत में शाम कौशल ने कहा मुझे लगता है कि राम चरण और आमिर खान जैसे एक्टर्स का कमिटमेंट लेवल कमाल का है। दंगल में आमिर खान के साथ हमने पहले पिता का रोल शूट किया था, और पांच महीनों के अंदर ही उन्होंने खुद को पूरी तरह से बदल लिया था। राम चरण का कमिटमेंट भी बिल्कुल वैसा ही है। एक चौंकाने वाली बात बताते हुए डायरेक्टर ने कहा श्मैं आपको एक बात बताता हूं। अखाड़े में क्लाइमैक्स फाइट के दौरान, शूटिंग के पहले ही दिन, बदकिस्मती से राम चरण घायल हो गए और उनकी पलकों पर टांके लगाने पड़े। लेकिन उन्होंने उन टांकों के साथ ही पूरी फाइट शूट की क्योंकि हम शूटिंग को टाल नहीं सकते थे। उन्होंने आगे बताया श्राम चरण को चोट लगी थी, लेकिन कभी ऐसा नहीं लगा कि उन्हें दर्द हो रहा है। इसे ही कमिटमेंट कहते हैं। उन्होंने किसी को भी यह महसूस नहीं होने दिया कि उन्हें चोट लगी है या वे सोचें कि शूटिंग कैसे पूरी होगी। इसे ही स्पोर्ट्स स्पिरिट कहते हैं। जब आप इन सब चीजों को सहजता से लेते हैं, तो आप एक बेहतरीन इंसान होते हैं। बुची बाबू सना के डायरेक्शन में बनी फिल्म पेद्दी में जाह्नवी कपूर, जगपति बाबू, बोमन ईरानी और दिव्येंदु भी हैं। यह फिल्म 4 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर इसने खबर लिखे जाने तक 187.94 करोड़ रुपये कमाए हैं।

इन यूनिक तरीकों से दीजिए अपने बोरिंग किचन को ट्रेंडी और मॉर्डन लुक

किचन हमारे घर का एक अहम हिस्सा होता है। जहां हम अपने घर के अन्य हिस्सों की सजावट तो कर लेते है लेकिन किचन की सजावट पर कुछ खास ध्यान नहीं देते। ऐसे में आज हम आपको कुछ ट्रेंडी डेकॉर आइडियाज के बारे में बताएंगे। जिनकी मदद से आप अपने किचन को एक अच्छा लुक दें सकते है। तो चलिए जानते है उनके बारे में।

टाइल्स से एन्हांस करें लुक

आजकल मार्किट में ऐसी कई डिजाइन और कलर्स में टाइल्स मिलती। जिनका प्रयोग आप किचन में काउंटर और फ्लोर के लिए स्टाइलिश टाइल्स का इस्तेमाल कर सकती है। बता दें कि आजकल 3क टाइल्स भी बहुत ट्रेंड में हैं। आप किचन को मॉडर्न लुक देने के लिए ऐब्स्ट्रैक्ट टाइल्स का इस्तेमाल कर सकते हैं।

ब्राइट कलर्स का इस्तेमाल

वाइब्रेंट लुक देने के लिए आप किचन में कलरफुल पेंट करवाना न भूलें। आप अपने किचन में येलो लाइम ग्रीन और ऑरेंज जैसे ब्राइट कलर का पेंट करवा सकते हैं।

इंडोर प्लांट्स रखें

कोशिश करें कि कमरों के साथ– साथ अपने किचन के काउंटर पर या खिड़की पर इंडोर प्लांट्स रखें। इसके अलावा आप हैंगिंग प्लांट्स भी लटका सकते हैं।

पर्सनल टच दें

आप घर के अन्य कमरों की तरह ही किचन को भी एक पर्सनल टच दे सकते हैं। किचन में डेकोरेटिव फ्रेम्स, स्टाइलिश कुकवेयर और स्मार्ट एप्लायंस का इस्तेमाल करके आप अपना पर्सनल टच दे सकते हैं।

सही लाइटिंग का इस्तेमाल

ज्यादातर लोग किचन में ट्यूबलाइट या सीलिंग लाइट का ही प्रयोग करते हैं। लेकिन एक स्टाइलिश लुक के लिए आप किचन में कॉर्नर पर या काउंटर के ऊपर हैंगिंग लाइट इस्तेमाल करें।

गर्मियों में टाइट और मीठा दही जमाने से पहले याद रखें ये बातें, नहीं आएगी कभी खट्टास

गर्मी के मौसम में लोग शरीर को ठंडा रखने के लिए दही का सेवन जरूर करते है। इसमें मौजूद प्रोटीन, विटामिन सी,आयरन, कैल्शियम जैसे कई पोषक तत्व शरीर को तरोताजा रखते है। जिसके चलते ज्यादातर लोग इसे घर में ही जमाते है। लेकिन कई बाहर बहुत ज्यादा गर्मी होने के

कारण खट्टा हो जाता है। जिसे खाना लोगों के लिए थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर आप इसे सही तरीके से स्टोर करें तो आपकी समस्या का समाधान हो सकता है। तो चलिए जानते है दही को स्टोर करने के बारे में।

सही बर्तन का करें चुनाव

गर्मी के मौसम में कोशिश करें कि मिट्टी के बर्तन में दही जमाएं। इससे आपको दो लाभ होंगे, एक दो मिट्टी के बर्तन से पानी नहीं निकलेगा और दही ठंडा भी रहेगा।

दही जमाने का सही वक्ख्त

अगर आपको अच्छा और मीठा दही चाहिए तो इसे रात के समय ही जमाएं। जब सुबह हो जाए तो इसे कुछ घंटे फ्रिज में जरूर रखें. इससे इसका स्वाद खट्टी नहीं होगी।

ठंडी जगह करें स्टोर

दही को हमेशा या तो रूम टेम्परेचर से थोड़ी ठंडी जगह पर रखें या फ्रिज में रखें। आप दही के बर्तन को मिट्टी के बर्तन के अंदर या एसी, कूलर वाले रूम में भी रख सकते हैं।

दूर रखें अन्य खाने की चीजें

दही दूसरे फूड आइटम्स की महक को एब्जॉर्ब कर लेता है जिससे दही जल्दी खट्टा होने लगता है।

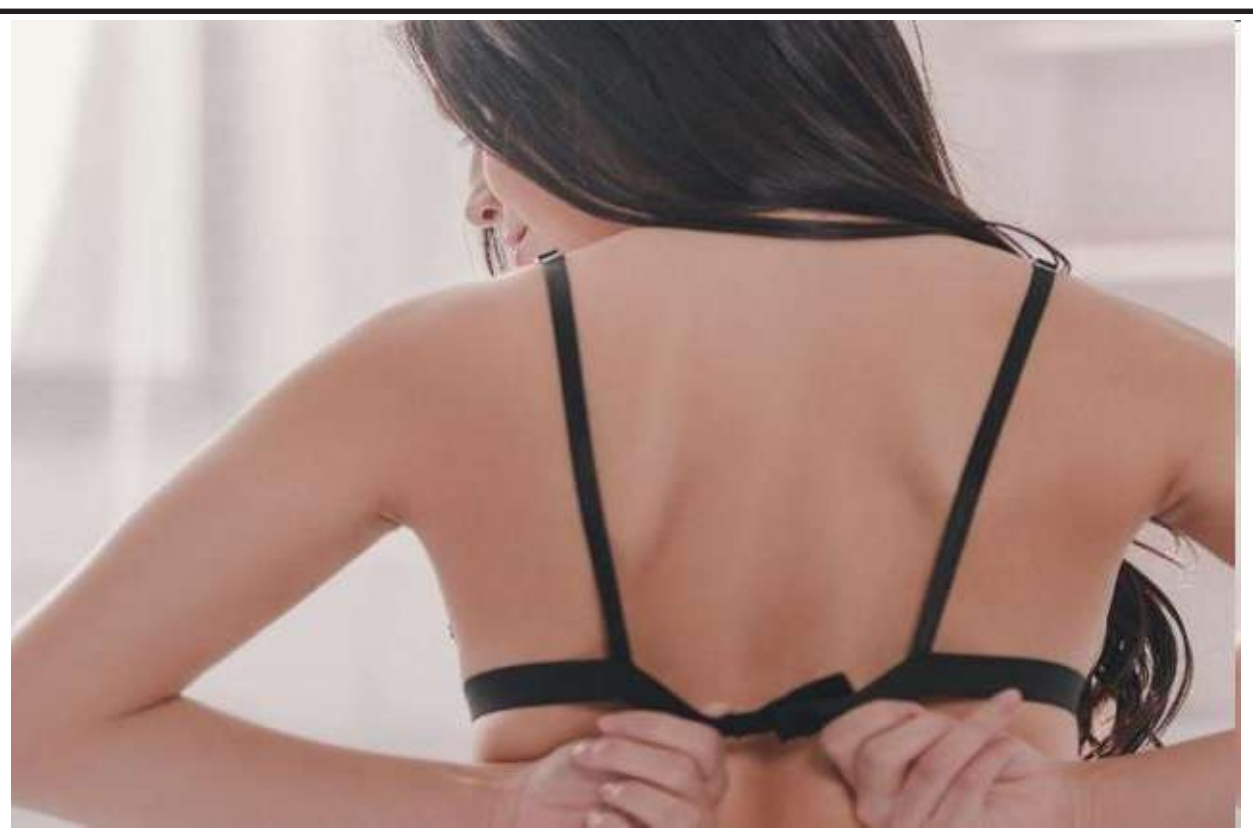

गलत साइज की ब्रा पहनने के खतरनाक साइड इफेक्ट, खरीदते समय ध्यान में रखें ये बातें

कुछ लड़कियां आज भी बाजार से ब्रा खरीदने में बहुत शर्म महसूस करती है। वह इतनी कंफ्यूज हो जाती है कि जल्दबाजी में सही साइज की ब्रा नहीं खरीद पाती। जिसका खामियाजा उनके शरीर को भुगतना पड़ता है। अध्ययनों से पता चला है कि लगभग 70 से 80 फीसदी महिलाएं गलत साइज की ब्रा पहनती हैं। इससे उन्हें कई हेल्थ प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ सकता है। तो चलिए जानते है उनके बारे में।

ब्रेस्ट में दर्द

ज्यादा टाइट ब्रा पहनने से लड़कियों को ब्रेस्ट में दर्द की शिकायत हो सकती है। इसलिए ब्रा खरीदते समय यह ध्यान में जरूर रखें कि सही साइज की ब्रा का चुनाव करें।

कमर दर्द

कई बार लड़किया ब्रा खरीदते समय सही चुनाव नहीं करती। जिस कारण उनके शरीर का पॉश्चर गलत रहता है और उनकी कमर दर्द की समस्या बढ़ जाती है।

फिगर बिगड़ना

बाजार में बिकने वाली तमाम तरह की स्टाइलिश ब्रा ब्रेस्ट को सपोर्ट नहीं दे पाती हैं जिससे उनके आकार और साइज में बदलाव होता है और फिगर जल्दी खराब हो सकता है।

कंधे और गले में दर्द

खराब फिटिंग वाली ब्रा का चुनाव करने से कंधों और गर्दन में तेज दर्द होता है। बता दें कि ब्रा की टाइट स्ट्रिप कंधों पर दबाव बनाती हैं जिससे पॉश्चर गलत होता है और कंधे व गर्दन के हिस्से में दर्द बढ़ जाता है।

ब्रेस्ट कैंसर

खराब फिटिंग वाली ब्रा पहनने का खामियाजा महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर के रूप में भी भुगतना पड़ सकता है। इससे ब्रेस्ट में रक्त का प्रवाह अवरोधित होता है जिससे ब्रेस्ट कैंसर की आशंका बढ़ जाती है।

सांस लेने में परेशानी

टाइट ब्रा पहनने से बॉडी का शेप अच्छा लगता है तो आप गलती कर रही हैं। इससे आपको घुटन महसूस हो सकती है और शरीर में रक्त प्रवाह कम हो सकता है।

सिरदर्द

खराब फिटिंग वाली ब्रा आपकी गर्दन और बैक की मासपेशियों को कभी सपोर्ट नहीं करती। जिससे कंधे का दर्द बढ़ता है और इसका सीधा असर आपके सिर पर होता है।

ये हैक्स रसोई में आएंगे बहुत काम, समय और पैसे दोनों की होगी बचत

महिलाओं का आधे से ज्यादा समय तो किचन में ही गुजरता है। वह अपना हर काम जल्दी और बहुत ही एफिशिएंट तरीके से करती है। इसलिए वह हमेशा नए ट्रिक्स खोजती रहती हैं। इसलिए आज हम आपके लिए कुछ ऐसे किचन हैक्स लेकर आए है। जिनकी मदद से आपका समय भी ज्यादा खराब नहीं होगा और आपके पैसों की भी बचत होगी। तो चलिए जानते है उनके बारे में।

पानी वाली दाल का क्या करें

किचन में खाना बनाते समय कई महिलाओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जैसे कि आप दाल बना रही है उसमें दाल कम और पानी ज्यादा है तो इस सम्सया को आप बड़ी ही असानी से साल्क कर सकती है। इसके लिए आपको बस यह देखना है कि जब दाल का पानी पक जाए तो उसे गहरे बर्तन में निकालकर 20–25 मिनट के लिए अलग रख दें। निर्धारित समय के बाद आप देखेंगे कि पानी अलग हो गया है और दाल नीचे बैठ गई है। बस एक करछी की मदद से एक्स्ट्रा पानी अलग निकालकर स्टोर कर लें और दाल छौंक लें।

खरबूजे के बीज से बनाएं मगज पेस्ट

खरबूजे के बीज से मगज पेस्ट बनाने का यह सबसे असान तरीका है। इसे तैयार करने के लिए आपको सबसे पहले खरबूजे के बीजों को अलग निकालकर एक छन्नी

में ट्रांसफर कर उसे हाथ से मसलें। ऐसा करने से आप देखेंगे कि बीज में लगा गूदा छन्नी से नीचे की ओर रिसने लगेगा। इसमें थोड़ा–थोड़ा पानी डालकर बीजों को साफ करें। जब साफ बीज छन्नी के ऊपर रह जाएं तो बीजों को ब्लेंडर में डालकर उसका पेस्ट तैयार कर लें। इस पेस्ट को आप कई रेसिपीज में डालकर उसका स्वाद कई गुणा बढ़ा सकती है।

एडवांस में बना लें पूड़ियां

मान लीजिए अगर शाम को आपके घर पर मेहमान आने है। इसके लिए आप पहले से ही तैयारी कर के रख सकते है। जैसे शाम को घर में मेहमान आने है आप सुबह 10–12 पूड़ियां बेलकर तैयार कर लें और उन्हें तवे पर हल्का–हल्का सेक लें। वहीं दूसरी ओर कुकर या कढ़ाही में कोई सब्जी तैयार कर रही हैं तो उसके ढक्कन पर भी बेली हुई पूड़ियों को आप स्टीम कर सकती हैं। इसके बाद पूड़ियों को फॉइल पेपर पर रखकर फ्रिज में रख दें। जब शाम को मेहमान घर में आए तो फ्रिज से निकालकर तल लें। इससे आपका काम असान हो जाएगा। पूड़ियों में करारपन लाने के लिए आप आटा गूंथते वक्त उसमें 1 चम्मच सूजी मिला लें।

हाई हील्स पहनने के ये है साइड इफेक्ट , सभी महिलाएं ये बातें रखें ध्यान

ज्यादातर महिलाओं के लिए हाई हील्स की सैंडिल पहनना आज के दौर में फैशन का एक हिस्सा बन गया है। यह मायने नहीं रखता कि आप कितनी लंबी या छोटी हैं ज्यादातर लड़कियां हाई हील्स पहनकर ही घर से बाहर निकलना पसंद करती हैं। वैसे हाई हील की सैंडिल पहनना बुरी बाती नहीं है लेकिन फिर भी आप इसे रोज नियमित रूप से इस्तेमाल करती है तो आपको इसके कई साइड इफेक्ट भी हो सकते है। तो चलिए जानते है उसके बारे में।

पैरों में दर्द की शिकायत

हाई हील्स पहनने के कारण मांसपेशियों में बहुत ज्यादा खिंचाव आता है। जिस कारण एड़ियों, घुटनों और कूल्हों में दबाव पड़ने से सर्वाइकल का खतरा भी बढ़ जाता है। इतना ही नहीं यह हील्स आपकी कमर और पीठ दर्द का भी कारण बन सकती है।

कॉफ मसल्स में दर्द या सूजन

कॉफ मसल्स में दर्द या सूजन हाई हील पहनने का एक अलग साइड इफेक्ट है। हाई हील के कारण कॉफ की मांसपेशियों की नसें सूज जाती है जिससे पैरों में बहुत अधिक दर्द होता है। कई बार स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि चलने फिरने में काफी तकलीफ होती है।

फ्रैक्चर होने का खतरा

एक्सपर्ट्स के मुताबिक डेली हाई हील्स पहनने से पैर की हड्डियां टूटने तक का खतरा रहता है। हाई हील्स से कूल्हों, कमर की हड्डी और पैरों के पंजें की हड्डियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। खराब पॉश्चर के कारण उनमें दरार पड़ जाती है और इस कारण उनके टूटने का खतरा भी बहुत बढ़ जाता है।

घुटने में दर्द

जो लोग हाई हील पहनते है उनके घुटने में हमेशा दर्द की शिकायत रहती है। क्योंकि हील्स के कारण स्पाइनल कॉड पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है।

आर्च स्ट्रेन

अगर आप ज्यादा हील्स पहनी है तो पैरों की मांसपेशियों में खिंचाव होता है जिसके चलते आपको पैर के पंजों में बहुत तेज दर्द हो सकता है।

संक्षिप्त

वनडे रैंकिंग में भारतीय पुरुष टीम का दबदबा बरकरार, वार्षिक अपडेट के बाद शीर्ष पर मौजूद

दुबई,एजेंसी। भारत वार्षिक अपडेट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की पुरुषों की वनडे टीम रैंकिंग में शीर्ष पर बना हुआ है, लेकिन न्यूजीलैंड पर उसकी बढ़त आठ अंक से घटकर सिर्फ पांच अंक की रह गई है। अपडेट के बाद भारत के अंक 119 से घटकर 118 हो गए हैं, जबकि न्यूजीलैंड के दो अंक के फायदे से 113 अंक हैं। मौजूदा विश्व चौंपियन ऑस्ट्रेलिया 109 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। शीर्ष 10 टीम में एकमात्र बदलाव में दक्षिण अफ्रीका (102) ने पाकिस्तान (98) को पछाड़कर चौथा स्थान हासिल कर लिया है। नौवें स्थान पर मौजूद बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच अंतर अब बढ़कर 10 अंक का हो गया है। आयरलैंड ने जिम्बाब्वे को पीछे छोड़कर 11वां स्थान हासिल किया है, जबकि अमेरिका भी स्कॉटलैंड से आगे निकलकर 13वें स्थान पर है। संयुक्त अरब अमीरात अब कनाडा से आगे 19वें स्थान पर है। पिछले सप्ताह किए गए सालाना अपडेट के बाद भारत आईसीसी की पुरुषों की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भी शीर्ष पर है, जबकि ऑस्ट्रेलिया टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक है। ऑस्ट्रेलिया महिलाओं की वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय दोनों रैंकिंग में शीर्ष पर है। भारतीय पुरुष टीम को अब 13 जून से अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। इस सीरीज में रोहित शर्मा तो रहेंगे, लेकिन चोट के कारण विराट कोहली सीरीज से बाहर हो गए हैं। कोहली की जगह यशस्वी जायसवाल को टीम में शामिल किया गया है।

भारतीय कपड़ा उद्योग में लौटा दमय अमेरिकी शुल्क कम होने से मांग में तेजी

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय कपड़ा क्षेत्र अब सुधार के दौर में प्रवेश कर रहा है। अमेरिकी शुल्कों से जुड़ी अनिश्चितता कम होने और वैश्विक मांग में सुधार से यह संभव हुआ है। रिपोर्ट में उद्योग के बेहतर बुनियादी सिद्धांतों, मांग की स्पष्टता और अनुकूल नीतिगत विकास पर जोर दिया गया है। यह क्षेत्र अब नए आशावाद के चरण में प्रवेश कर रहा है। डोलाट कैपिटल की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी 2026 के अंत में एक बड़ा बदलाव आया। भारतीय कपड़ा उत्पादों पर अमेरिकी शुल्क 50 फीसदी से घटकर 10 फीसदी हो गए। अमेरिकी प्रतिशोधात्मक और दंडात्मक शुल्कों के समाप्त होने से भारतीय कपड़ा क्षेत्र को बड़ी राहत मिली है। इससे व्यापार सामान्य हुआ और निर्यात की मात्रा स्थिर हुई। दंडात्मक शुल्कों को हटाने से भारतीय निर्यात की वैश्विक प्रतिस्पर्धा बहाल हुई है। अमेरिकी बाजार में रुकी हुई मांग भी अब बाहर आ रही है। उद्योग के बुनियादी सिद्धांत भी काफी सुधारे हैं। कताई में क्षमता समेकन, कपास की लागत प्रतिस्पर्धा की बहाली और यार्न के प्रसार में मजबूत सुधार हुआ है। इससे पूरे मूल्य श्रृंखला में लाभप्रदता बेहतर हुई है। अमेरिकी शुल्कों में कमी भारतीय कपड़ा उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई है। पहले ये शुल्क 50 फीसदी तक पहुंच गए थे, जिससे भारतीय उत्पादों की लागत बढ़ गई थी। दंडात्मक शुल्क हटने से कुल शुल्क जो 65–69 फीसदी तक थे, वे अब काफी कम हो गए हैं। इससे भारतीय निर्यातकों को वैश्विक बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता वापस मिली है। अमेरिका में दबी हुई मांग भी अब सामने आ रही है, जिससे भारतीय उत्पादों की बिक्री में वृद्धि हो रही है। यह बदलाव उद्योग के लिए एक बड़ी राहत लेकर आया है। रिपोर्ट के अनुसार, उद्योग के बुनियादी सिद्धांतों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। कताई खंड में क्षमता का समेकन हुआ है, जिससे उत्पादन दक्षता बढ़ी है। कपास की लागत प्रतिस्पर्धा भी बहाल हुई है, जिससे निर्माताओं को फायदा मिल रहा है। यार्न के प्रसार में तेज वृद्धि देखी गई है, जो लाभप्रदता को बढ़ा रही है। इन सभी कारकों ने मिलकर पूरे मूल्य श्रृंखला में बेहतर लाभ सुनिश्चित किया है। यह सुधार उद्योग को भविष्य के लिए मजबूत आधार प्रदान कर रहा है। भारत यूके, यूरोपीय संघ और ऑस्ट्रेलिया जैसे प्रमुख बाजारों के साथ मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है। ये समझौते उद्योग को संरचनात्मक सहायता प्रदान करेंगे। वैश्विक खरीदार अब बांग्लादेश और कंबोडिया जैसे शुल्क–मुक्त राष्ट्रों पर निर्भरता कम कर रहे हैं। वे अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने की कोशिश में हैं, जिससे भारत एक आकर्षक दीर्घकालिक सोर्सिंग विकल्प बन रहा है। मजबूत घरेलू मांग और अनुशासित पूंजी आवंटन से यह क्षेत्र टिकाऊ वृद्धि के लिए तैयार है। हालांकि, निवेशकों को अमेरिकी शुल्कों की निरंतरता और कपास की कीमतों में अस्थिरता पर नजर रखनी चाहिए।

आर्थिक कमजोरी या एआई की लहर?

नई दिल्ली,एजेंसी। दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स के शीर्ष–10 सबसे मूल्यवान शेयरों की सूची में अब एक भी भारतीय कंपनी नहीं है। शीर्ष–100 कंपनियों में भी कोईध्भारतीय नहीं है। 100 अरब डॉलर से बड़े मार्केट कैप वाले क्लब में सिर्फ तीन कंपनियां (रिलायंस, एचडीएफसी, एयरटेल) बची हैं, जिनकी संख्या पहले 6 थी। इसका कारण भारत की आर्थिक कमजोरी नहीं है, बल्कि दुनिया में आई एआई की लहर है।घ्इसने उभरते बाजारों का नक्शा ही बदल दिया है और भारत अब इसके असर को महसूस करने लगा है। एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स दुनिया के बड़े विदेशी संस्थागत निवेशकों के लिए बेंचमार्क की तरह है। दुनियाभर का 700 अरब डॉलर का पैसिव फंड इस इंडेक्स पर नजर रखता है और इसी के आधार पर अलग–अलग देशों के शेयर बाजारों में निवेश करता है।

बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन का कटा दूसरे टेस्ट से पत्ता, जो रूट को मिली इंग्लैंड की कमान

नई दिल्ली,एजेंसी। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज गस एटकिंसन को न्यूजीलैंड के खिलाफ द ओवल (17 जून) में खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए टीम से बाहर कर दिया गया है। यह फैसला हाल ही में सामने आए नाइटक्लब विवाद के बाद लिया गया। वहीं, अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड का अंतरिम कप्तान नियुक्त किया गया है। रविवार रात लॉर्ड्स में पहले टेस्ट में जीत के बाद इंग्लैंड टीम ने जश्न मनाया। खिलाड़ी पहले ड्रेसिंग रूम में और फिर लंदन के व्हाइट हॉर्स पब पहुंचे, जहां उनकी मुलाकात सारासेन्स रग्बी क्लब के खिलाड़ियों से हुई। रात 11 बजे के बाद कुछ खिलाड़ी चेल्सी स्थित रेक्स रूम्स नाइटक्लब पहुंचे। बताया जा रहा है कि रात करीब एक बजे वहां एक झड़प हुई। यह समय इंग्लैंड टीम के लिए निर्धारित कर्फ्यू से एक घंटा बाद का था। मामले में स्टोक्स, तेज गेंदबाज गस एटकिंसन, ईसीबी सुरक्षा दल के एक सदस्य और सारासेन्स अकादमी खिलाड़ी टोटोआ औवा का नाम सामने आया है। हालांकि रिपोर्ट्स में कहा गया है कि स्टोक्स और एटकिंसन सीधे तौर पर लड़ाई में शामिल नहीं थे। घटना में सुरक्षा दल का एक सदस्य घायल हुआ, लेकिन पुलिस को नहीं बुलाया गया और किसी आपराधिक मामले की संभावना नहीं जताई जा रही है।

ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, विवाद के बीच इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने दूसरे टेस्ट के लिए जो रूट को टीम की कमान सौंपने का फैसला किया है। रूट इससे पहले 2017 से 2022 के बीच 64 टेस्ट मैचों में इंग्लैंड की कप्तानी कर चुके हैं और अब एक बार फिर नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालेंगे। स्टोक्स फिलहाल टीम प्रोटोकॉल के संभावित उल्लंघन की जांच का सामना कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने अपने भविष्य और मौजूदा स्थिति पर विचार करने के लिए कुछ निजी समय और स्थान की मांग की है। ईसीबी, स्वतंत्र क्रिकेट नियामक संस्था और सारासेन्स क्लब अपने–अपने स्तर पर मामले की जांच कर रहे हैं। घटना में सुरक्षा दल का एक सदस्य घायल हुआ था, लेकिन पुलिस को नहीं बुलाया गया और फिलहाल किसी आपराधिक मामले की संभावना नहीं बताई गई है। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, स्टोक्स और एटकिंसन दोनों को दूसरे टेस्ट की टीम से बाहर रखा गया है। एटकिंसन की अनुपस्थिति को औपचारिक निलंबन के बजाय खिलाड़ी के मानसिक स्वास्थ्य और जांच प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए उठाया गया कदम माना जा रहा है। इंग्लैंड क्रिकेट पिछले कुछ समय से टीम संस्कृति और खिलाड़ियों के व्यवहार को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहा है। एशेज में निराशाजनक प्रदर्शन के अलावा अनुशासन और शराब सेवन से जुड़े मुद्दे भी चर्चा में रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि पहले टेस्ट से पहले मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने खिलाड़ियों को चेतावनी देते हुए कहा था, श्मैंने खिलाड़ियों से कहा था कि आधी रात के बाद कभी कुछ अच्छा नहीं होता। ऐसी कोई हरकत मत करो जो अगले दिन अखबारों की सुर्खियां बन जाए। अब दूसरे टेस्ट से पहले सामने आए इस विवाद ने इंग्लैंड क्रिकेट की अनुशासन व्यवस्था और टीम संस्कृति को लेकर नई बहस छेड़ दी है। फिलहाल सभी की नजरें ईसीबी की जांच रिपोर्ट और बेन स्टोक्स की अगली भूमिका पर टिकी हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए चुना गया इंग्लैंड का स्क्वॉड

जो रूट (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, सोनी बेकर, शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, जॉर्डन कॉक्स, बेन डकेट, मैथ्यू फिशर, एमिलियो गे, जेम्स रियू, ओली रॉबिनसन, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर) और जोश टंग।

कौन हैं निखिल चौधरी ?: हरभजन सिंह की कप्तानी में पंजाब के लिए खेले, अब ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम में मिली जगह

सिडनी,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय मूल के अनकैप्ड स्पिनर निखिल चौधरी को बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए मौका दिया है। निखिल ने अब तक ऑस्ट्रेलिया के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू नहीं किया है, लेकिन वह बिग बैश टी20 टूर्नामेंट में होबार्ट हरिकेंस के लिए खेल चुके हैं। वहीं, आईपीएल में वह दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा थे। दिलचस्प बात यह है कि निखिल ने घरेलू स्तर पर पंजाब के लिए डेब्यू किया था, लेकिन अब वह ऑस्ट्रेलियाई जर्सी में खेलते नजर आएंगे। दिल्ली में जन्मे और बाद में ऑस्ट्रेलिया जाकर बसने वाले निखिल अगर 17 जून से चट्टोग्राम में शुरू होने वाली तीन मैचों की सीरीज के लिए प्लेइंग–11 में चुने जाते हैं, तो वे भारत में जन्मे ऐसे पहले ऑस्ट्रेलियाई पुरुष खिलाड़ी बन सकते हैं जो 60 से अधिक वर्षों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलेंगे। निखिल को विस्फोटक बल्लेबाज ट्रेविस हेड की जगह चुना गया है और ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ता टोनी डोडेमैड को भरोसा है कि यह गेंदबाजी ऑलराउंडर अच्छा प्रदर्शन करेगा।

युवराज–गिल के साथ खेल चुके हैं निखिल

30 साल के निखिल ने 2017–19 के बीच पंजाब के लिए घरेलू क्रिकेट में 14 मैच खेल जिसमें 12 टी20 मैच शामिल है। उन्होंने इंटर स्टेट टी20 टूर्नामेंट और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी हिस्सा लिया है। इतना ही नहीं निखिल विजय हजारे ट्रॉफी में दो लिस्ट ए मैच भी खेल चुके हैं। निखिल ने हरभजन सिंह की कप्तानी में खेला है और इस टीम में युवराज सिंह और शुभमन गिल जैसे भारतीय सितारे भी शामिल रहे हैं।

निखिल 2020 में क्वींसलैंड में अपने अंकल से मिलने ऑस्ट्रेलिया गए थे, लेकिन कोविड महामारी के कारण ऑस्ट्रेलिया ने अपनी अंतरराष्ट्रीय सीमाएं बंद कर दी। निखिल वहीं रुक गए और अभी उनके पास अस्थायी वीजा है जो 2027 तक मान्य है। उनके पास अभी तक स्थायी रेजडेंसी या नागरिकता नहीं है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया में पांच साल रहने के कारण वे नागरिक न होने के बावजूद आईसीसी के नियमों के तहत राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने के योग्य हैं।

ब्रिसबेन में ग्रेड क्रिकेट खेलते समय, हरिकेंस के तत्कालीन गेंदबाजी कोच (जो अब सिडनी सिक्सर्स के कोच हैं) जेम्स होप्स की नजर उन पर पड़ी थी। इसके बाद उन्होंने बीबीएल में हरिकेंस के लिए तीन शानदार सीजन खेले हैं।

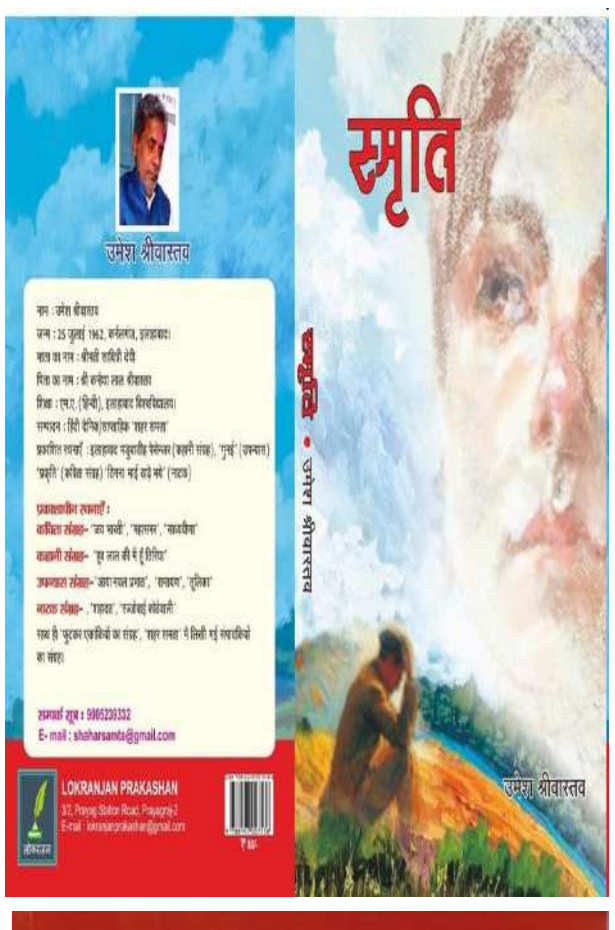

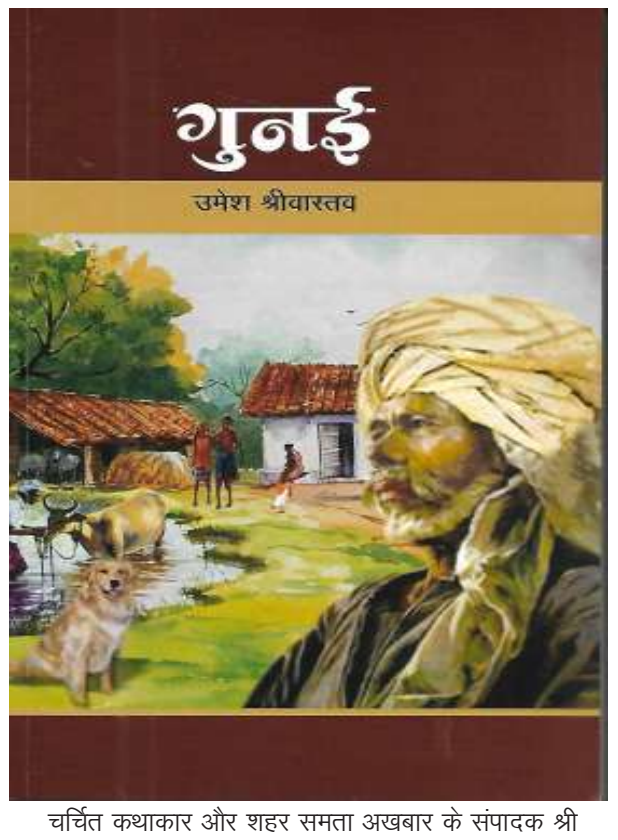

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

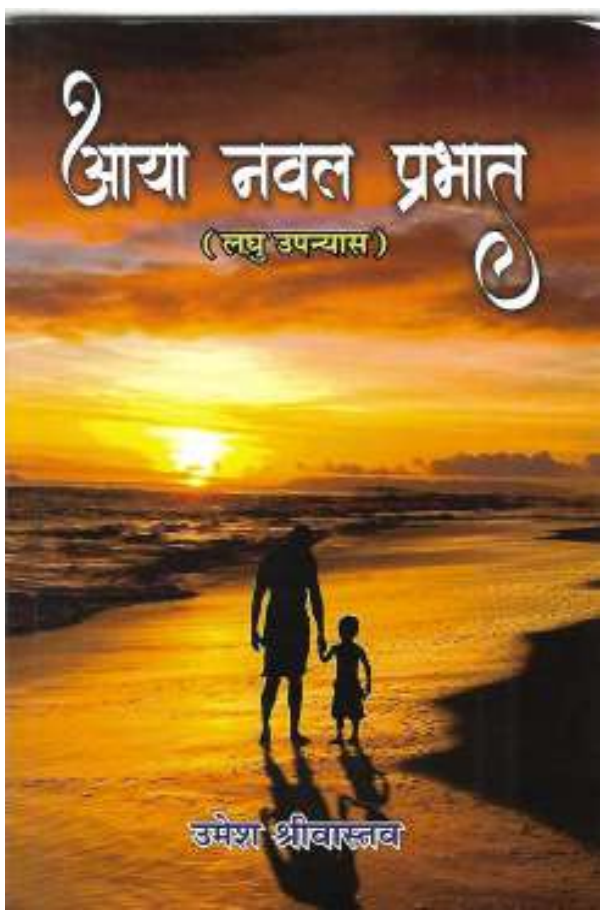

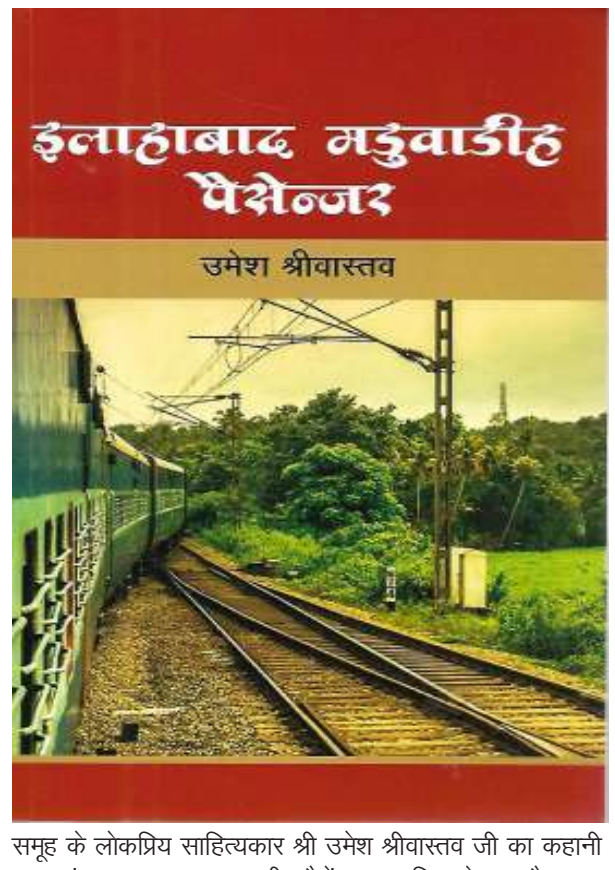

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

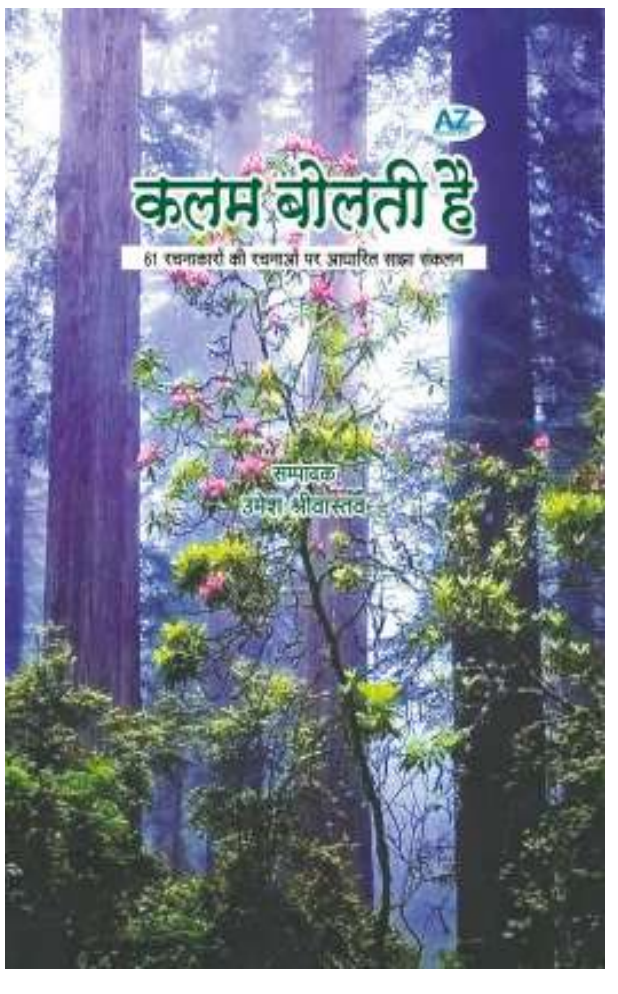

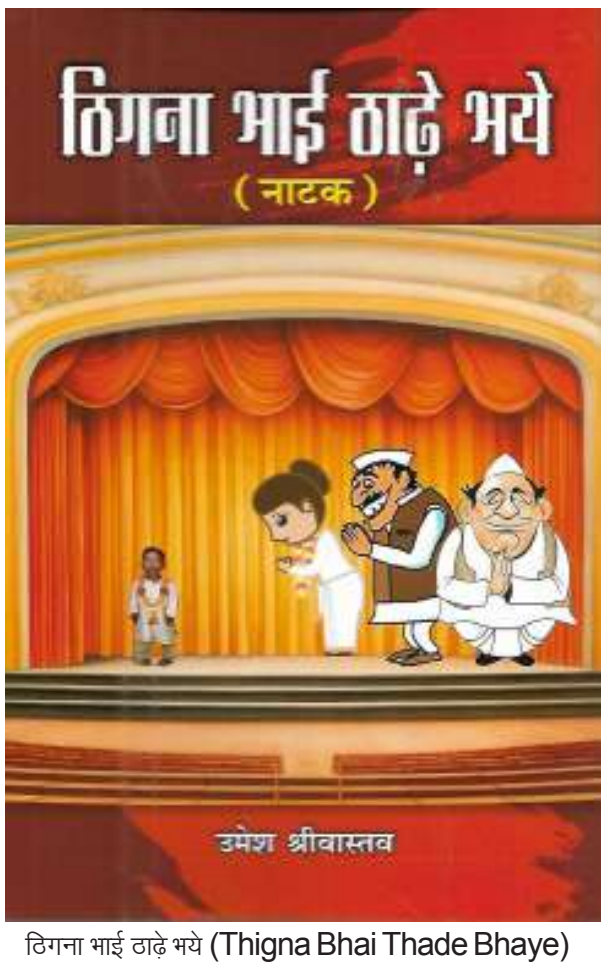

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

कांगो में इबोला का कहर: संक्रमित मरीजों का आंकडा बढ़कर 635 हुआ, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी बनी बड़ी चुनौती

किन्शासा, एजेंसी। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (DRC) में इबोला वायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्री रोजर कांबा ने जानकारी दी है कि नौ जून तक देश में इबोला के पुष्ट मामलों की संख्या बढ़कर 635 हो गई है। यह बीमारी

श्बुंडीबुग्यो इबोला वायरसश के कारण फैली है। हालांकि, इस संकट के बीच राहत की खबर यह है कि अब तक 30 मरीज ठीक होकर घर लौट चुके हैं। हाल ही में आठ नए मरीज ठीक हुए हैं, जिनमें से सात इतुरी प्रांत के न्यानकुंडे और एक मोंगबवालू इलाके से है। स्वास्थ्य मंत्री ने क्या कहा? स्वास्थ्य मंत्री ने सोशल मीडिया पर बताया कि सरकार इस बीमारी को रोकने के लिए पूरी कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि मरीजों के संपर्क में आए लोगों की पहचान करने का काम अब पहले से बेहतर हो रहा है। अब 61.1 प्रतिशत संपर्कों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। सरकार ने इतुरी, उत्तर कीवू और दक्षिण कीवू जैसे प्रभावित प्रांतों में 490 टन दवाइयां भेजी हैं। वहां प्रयोगशालाओं को मजबूत किया गया है और स्वास्थ्य टीमें दिन–रात काम कर रही हैं। मंत्री ने लोगों से अपील की है कि वे लक्षण दिखने पर तुरंत इलाज के लिए आएं, क्योंकि समय पर देखभाल से जान बचाई जा सकती है। स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी बन रही चुनौती दूसरी ओर, अफ्रीका सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (Africa CDC) ने जमीनी हकीकत पर चिंता जताई है। एजेंसी का कहना है कि बचाव कार्यों में कई बड़ी बाधाएं आ रही हैं। प्रभावित इलाकों के अस्पतालों की हालत बहुत खराब है। वहां पीने के साफ पानी, कचरा जलाने वाली मशीनों, पीपीई किट और सफाई के सामान की भारी कमी है। इसके अलावा, खराब सड़कें, एम्बुलेंस की कमी और सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं भी काम को धीमा कर रही हैं। कई स्वास्थ्य कर्मियों को समय पर वेतन नहीं मिला है, जिससे उन पर मानसिक दबाव बढ़ रहा है। एक बड़ी चुनौती स्थानीय लोगों के बीच भरोसे की कमी भी है। इसके अलावा, कुछ देशों ने प्रभावित अफ्रीकी देशों की यात्रा पर पाबंदियां लगा दी हैं, जिसे स्वास्थ्य एजेंसियों ने गलत बताया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (भ्) ने 17 मई को ही इस प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया था। अब प्रशासन का पूरा ध्यान लोगों को जागरूक करने, सुरक्षित तरीके से अंतिम संस्कार करने और निगरानी बढ़ाने पर है।

फिलीपीन में भीषण भूकंप के बाद 2100 झटकों से दहशत, 35000 बेघर, 29 सड़कें और 11 पुल तबाह

सैंटोस, एजेंसी। दक्षिणी फिलीपीन के जनरल सैंटोस शहर में सोमवार को आए शक्तिशाली भूकंप के बाद 2,100 से अधिक झटके आए। इससे बचाव कार्य में काफी परेशानी आ रही है। 7.8 की तीव्रता वाले भूकंप में मरने वालों की संख्या 45 हो चुकी है, जबकि 17 लोग लापता हैं। अधिकतर मौतें इमारतों

के ढहने से गिरे मलबे और भूस्खलन के कारण हुईं। भूकंप के चलते करीब 35 हजार लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। जनरल सैंटोस में बचावकर्मी हेलमेट पहनकर आंशिक रूप से ढहे हुए किराना स्टोर से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, तभी एक और तेज झटका महसूस हुआ। इसके बाद झुकी हुई इमारत से मलबा गिरने लगा। सुरक्षा अधिकारी ने सीटी बजाकर और अन्य कर्मियों ने चिल्लाकर करीब 30 दमकलकर्मियों तथा तटरक्षक बल के जवानों को सुरक्षित स्थान पर जाने की चेतावनी दी। दमकल विभाग की प्रवक्ता रेसा मिया टैक्टाक्विन–बेटोया ने बताया कि जिस किराना स्टोर में बचाव अभियान चलाया जा रहा था, उसकी दो ऊपरी मंजिलें मुख्य भूकंप में ढह गई थीं। वहां एक लापता कर्मचारी की तलाश की जा रही थी। उन्होंने कहा, झटका काफी तेज था। इसलिए तुरंत अलार्म बजाया गया ताकि आसपास मौजूद लोग बाहर निकल सकें। भूकंप के चलते जनरल सैंटोस का अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा भी प्रभावित हुआ है, जिसके कारण उसे अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया है। केवल राहत सामग्री और आपदा राहत कर्मियों को ले जाने वाली सरकारी तथा सैन्य उड़ानों को अनुमति दी जा रही है। प्रशासन के मुताबिक प्रभावित प्रांतों में लगभग 6,000 सरकारी स्कूल भवनों का सुरक्षा मूल्यांकन किया जाना है, जिसके बाद ही कक्षाएं फिर शुरू हो सकेंगी। इंडोनेशिया, पलाऊ व जापान तक पहुंचीं लहरें

भूकंप के बाद समुद्र में ज्वार स्तर से 1.4 मीटर ऊंची लहरें दर्ज की गईं, जिससे कम से कम एक व्यक्ति समुद्र में बह गया और उसकी मौत हो गई।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

ट्रंप का बड़ा दावा- अगर ईरान के पास परमाणु हथियार होते, तो इस्राइल का अस्तित्व ही नहीं होता

वॉशिंगटन , एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव हर दिन बढ़ता जा रहा है। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने दावा किया कि परमाणु–सशस्त्र ईरान इस्राइल को नष्ट कर देगा और पश्चिम एशिया को अस्थिर कर देगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका ने ईरान पर कड़ी चोट की है। बातचीत अनिश्चित रहने पर वह फिर से हमला कर सकता है। इस्राइल और पश्चिम एशिया के अस्तित्व पर क्या बोले ट्रंप? ओवल ऑफिस में बोलते हुए

ट्रंप ने कहा कि यदि ईरान के पास परमाणु हथियार होते, तो इस्राइल और पश्चिम एशिया का अस्तित्व नहीं होता। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान ने अमेरिका पर निश्चित रूप से हमला किया होता। ट्रंप ने कहा, श्हमने उन्हें कल कड़ी चोट पहुंचाई। हम आज फिर उन्हें कड़ी चोट पहुंचाने वाले हैंश। उन्होंने सौदे के भविष्य पर भी टिप्पणी की। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका एक समझौते के बहुत करीब था, लेकिन ईरान उन्हें बेवकूफ बना रहा है। उन्होंने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपतियों को बहुत मूर्ख बताया। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका ईरान पर हमले फिर से शुरू करेगा। अमेरिकी कार्रवाई और धमकी ट्रंप ने कहा, श्हम उन पर बहुत कड़ा हमला करने जा रहे हैंश। उन्होंने सुझाव दिया कि ईरान द्वारा एक अमेरिकी अपाचे हेलीकॉप्टर को गिराना सैन्य कार्रवाई का आधार है। ट्रंप ने कहा कि हेलीकॉप्टर घटना के आधार पर अमेरिका को कार्रवाई का अधिकार है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ने पहले ही हमले शुरू कर दिए हैं। वह ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान जारी रखेगा। अमेरिका–ईरान के बीच तनाव का कारण तनाव का यह हालिया चरण अमेरिका द्वारा हवाई हमलों के बाद बढ़ा। अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था। यह एक अमेरिकी अपाचे हेलीकॉप्टर को गिराने के जवाब में था। ईरान ने कहा कि उसने जॉर्डन में अमेरिकी अड्डे पर हमला किया। उसने खाड़ी के अन्य ठिकानों पर भी हमले किए।

नेतन्याहू–ट्रंप के मतभेद कितने गंभीर ?: जेडी वेंस बोले- US-इस्राइल हर समय एकमत नहीं रहे, बयान के मायने क्या ?

वॉशिंगटन , एजेंसी। पश्चिम एशिया में तेजी से बदलते हालात और ईरान को लेकर बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि अमेरिका और इस्राइल हमेशा हर मुद्दे पर एक जैसी सोच नहीं रखते। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब दोनों देशों के हित अलग होंगे, तब अमेरिका अपने नागरिकों और अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देगा। अमेरिकी मीडिया संस्थान सीबीएस को दिए एक विशेष इंटरव्यू में वेंस ने कहा कि इस्राइल लंबे समय से अमेरिका का करीबी सहयोगी रहा है, लेकिन करीबी साझेदारी होने के बावजूद कई बार दोनों देशों के हित पूरी तरह मेल नहीं खाते। उन्होंने कहा कि कुछ मामलों में दोनों देश एक ही पन्ने पर होते हैं, जबकि कुछ मुद्दों पर उनके विचार और हित अलग हो सकते हैं। जेडी वेंस ने इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का जिक्र करते हुए कहा कि वह

अपने देश के हितों की मजबूती से रक्षा करने वाले नेता हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमेशा साफ किया है कि अमेरिका वही करेगा जो उसके लिए सबसे बेहतर होगा। उन्होंने कहा, श्कभी हम एक ही दिशा में चलते हैं और कभी ऐसा नहीं होता। जब दोनों देशों के हित अलग होते हैं, तब हमें अमेरिकी जनता के पक्ष में फैसला लेना पड़ता है और हम हमेशा ऐसा ही करते हैंश। हम आगे मिलकर काम करते रहेंगे– वेंस इंटरव्यू के दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या नेतन्याहू ने अमेरिका के साथ संबंधों को संभालने में कुछ गलतियां की हैं, तो उन्होंने कहा कि श्उन्होंने निश्चित रूप से कुछ चीजें गलत की हैंश। हालांकि उन्होंने किसी खास उदाहरण का उल्लेख करने से इनकार कर दिया। वेंस ने कहा कि इस तरह की बातचीत निजी स्तर पर ही बेहतर रहती है। इसके बावजूद वेंस ने नेतन्याहू को अमेरिका का अच्छा साझेदार बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका और इस्राइल आगे भी मिलकर काम करते रहेंगे, लेकिन जहां दोनों देशों के हित अलग होंगे, वहां अमेरिका अपने राष्ट्रीय हितों को ही प्राथमिकता देगा। अमेरिकी उपराष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय में आया है जब हाल के हफ्तों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नेतन्याहू के बीच पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष, ईरान से जुड़े मुद्दों और इस्राइल की सैन्य कार्रवाई को लेकर मतभेदों की खबरें सामने आई हैं। ट्रंप ने भी कई मौकों पर संकेत दिए हैं कि क्षेत्रीय हालात को लेकर अमेरिका और इस्राइल की सोच हर मुद्दे पर समान नहीं है। विशेषज्ञों का मानना है कि जेडी वेंस का यह बयान अमेरिका की उस नीति को दर्शाता है, जिसमें वह अपने सहयोगी देशों के साथ संबंध बनाए रखते हुए भी राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कर रहा है। इससे यह भी संकेत मिलता है कि ईरान और पश्चिम एशिया से जुड़े मुद्दों पर अमेरिका और इस्राइल के बीच भविष्य में कुछ नीतिगत मतभेद देखने को मिल सकते हैं।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की सड़कों पर क्यों बह रहा खून, कौन सी मांगों को कुचलने में जुटी सेना

एजेंसी/पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की सड़कों पर खून बह रहा है। पाकिस्तान के केंद्रीय शासन और पाकिस्तानी सेना की बर्बरता के खिलाफ आवाज उठाने वाले मासूमों को कुचलने के लिए सैन्य आलाकमान ने प्रदर्शनकारियों को देखते ही गोली मारने तक के आदेश सुना दिए हैं। इसका असर यह हुआ है कि पूरे पीओके में तनाव की स्थिति है। मुजफ्फराबाद में तो सुरक्षाबल–पुलिस की तरफ से आम लोगों को निशाना बनाए जाने की भी बातें सामने आई हैं, जिनमें 20 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है और 200 से ज्यादा के घायल होने की खबरें हैं। हालांकि, असल आंकड़े क्या हैं, इसे लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में अभी हो क्या रहा है? इन प्रदर्शनों के पीछे कौन है? पीओके में क्यों लोगों को अपने हक मांगने के लिए सड़कों पर उतरना पड़ा है? इसके अलावा इन शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के हिंसक हो जाने की क्या वजहें हैं? आइये जानते हैं... पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बड़े पैमाने पर हिंसक प्रदर्शनों का दौर जारी है। इनमें पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़पों में कम से कम 20 से 30 लोगों की मौत हो चुकी है और 200 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। हालांकि, असल आंकड़ों का कोई खुलासा नहीं किया गया है। शुरुआत में पाकिस्तान की सरकार और सेना के खिलाफ यह विद्रोह रावलकोट तक सीमित था। हालांकि, सुरक्षाबलों की बर्बरता के चलते अब इस प्रदर्शन का फैलाव– मुजफ्फराबाद, गिलगित–बाल्टिस्तान, मीरपुर, ददियाल, सुधनोती, और भीमबर जैसे कई अन्य प्रमुख इलाकों में फैल गया है। पाकिस्तानी प्रशासन ने दमनकारी नीतियां अपनाते हुए जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) नाम के संगठन के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने 100 से ज्यादा जेएएसी सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है और मुजफ्फराबाद स्थित उनके केंद्रीय कार्यालय पर छापा मारकर उसे सील कर दिया है। खबर है कि पाकिस्तानी सरकार प्रदर्शनकारी नेताओं पर हत्या जैसे गंभीर आरोपों के पुराने मुकदमों को दोबारा खोलने की तैयारी कर रही है। क्षेत्र से जानकारी को बाहर आने से रोकने के लिए इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाओं को 12 जून तक के लिए पूरी तरह से निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही बाहरी लोगों और पर्यटकों को 20 जून तक इस क्षेत्र में यात्रा न करने और जो वहां मौजूद हैं उन्हें तुरंत इलाका छोड़ने का निर्देश दिया गया है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हो रहे इन प्रदर्शनों के नेतृत्व में मुख्य रूप से जम्मू कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) नाम के संगठन का बार–बार नाम सामने आ रहा है। इस संगठन को खास तौर पर पाकिस्तानी शासन की तरफ से निशाना बनाया जा रहा है। जेएएसी क्या हैरू यह नागरिक अधिकार समूहों, व्यापारियों, राजनीतिक कार्यकर्ताओं और सामाजिक–धार्मिक संगठनों का एक व्यापक गठबंधन है। यह एक जमीनी स्तर का आंदोलन है जो पीओके के लोगों के आर्थिक और राजनीतिक अधिकारों की वकालत करता है। नेतृत्व किसके पासरू इस संगठन और मौजूदा आंदोलन का नेतृत्व कार्यकर्ता शौकत नवाज मीर कर रहे हैं। यह समूह 2023 में इस क्षेत्र में विरोध आंदोलनों के मुख्य कर्ताधर्ता के रूप में उभरा था। क्या है भूमिकारू इस संगठन ने ही पीओके विधानसभा में पाकिस्तान में रह रहे शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को खत्म करने, बिजली की बढ़ती कीमतों और आटे पर सब्सिडी जैसी मांगों को लेकर पूरे क्षेत्र में हड़ताल (लॉकडाउन) और विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है।

'ट्रंप को PM मोदी से माफी मांगनी चाहिए': अमेरिकी गायिका मिलबेन ने भारत-US रिश्तों को मजबूत करने की अपील की

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी गायिका और अभिनेत्री मेरी मिलबेन ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भारत–अमेरिका संबंध कमजोर पड़ गया है। ऐसा राष्ट्रपति ट्रंप के सलाहकारों की गलत सलाह की वजह से हुआ है। मिलबेन ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक माफी उधार है और ट्रंप को जी–7 शिखर बैठक के दौरान माफी मांगनी चाहिए। मिलबेन ने कहा, ट्रंप को फ्रांस में होने वाले इस शिखर सम्मेलन का इस्तेमाल पीएम मोदी के साथ रिश्ते सुधारने के लिए करना चाहिए। मिलबेन, भारत–अमेरिका के मजबूत रिश्तों की मुखर समर्थक हैं और उन्होंने दोनों देशों के मौजूदा संबंधों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, हमने निश्चित रूप से राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच राष्ट्रपति के पहले कार्यकाल के दौरान बहुत अपनापन देखा। निश्चित रूप से, जब 2019 में प्रधानमंत्री हाउडी मोदी रैली के लिए ह्यूस्टन आए थे, तो हमने दोनों नेताओं के बीच जो अपनापन देखा, वह बहुत असली था और मेरा मानना है कि वह रिश्ता असली है। लेकिन मौजूदा प्रशासन के दौरान यह तालमेल कुछ कमजोर पड़ा है। अमेरिकी प्रशासन को दी गई गलत सलाह अमेरिकी गायिका ने कहा, मौजूदा अमेरिकी प्रशासन को भारत के साथ साझेदारी के रणनीतिक महत्व के बारे में गलत सलाह दी गई है। भारतीय विपक्ष की आलोचनाओं का जवाब देते हुए, मिलबेन ने हाल ही में यह भी कहा था कि मोदी को ट्रम्प की हर टिप्पणी का जवाब देने की जरूरत नहीं है, बल्कि उन्हें भारतीयों के हित में काम जारी रखना चाहिए। अमेरिका ने बीएलए व मजीद ब्रिगेड को आतंकी घोषित कराने की पाकिस्तान व चीन की चाल को किया नाकाम अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और मजीद ब्रिगेड को आतंकी संगठन घोषित करने के पाकिस्तान व चीन के साझा प्रयास को नाकाम कर दिया।

महंगाई पर ट्रंप के बेतुके बोल, कहा- मुझे इससे प्यार, जंग के बीच होर्मुज से जुड़े दावे ने भी चौंकाया

वॉशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को महंगाई को लेकर एक ऐसा बयान दिया जिसने सबको हैरान कर दिया। उन्होंने बढ़ती महंगाई पर चिंता जताने के बजाय कहा कि उन्हें इससे प्यार है। मई महीने की नई रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पिछले साल के मुकाबले 4.

2 प्रतिशत बढ़ गया है। यह अप्रैल 2023 के बाद महंगाई का सबसे ऊंचा स्तर है। हैरानी की बात यह है कि ट्रंप ने इस बार महंगाई को विरोधियों का फैलाया हुआ झूठ नहीं बताया। उन्होंने यह दावा भी नहीं किया कि वह रहने के खर्च को कम कर रहे हैं। इसके उलट, उन्होंने बढ़ते आंकड़ों की तारीफ करते हुए कहा, श्आप जानते हैं मुझे वास्तव में क्या पसंद है? मुझे महंगाई से प्यार है। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब नवंबर में होने वाले चुनाव में अर्थव्यवस्था एक बड़ा मुद्दा है। जनता इस मामले में ट्रंप को कम अंक दे रही है। ट्रंप के इस बयान के कुछ ही मिनटों बाद विपक्षी डेमोक्रेट्स ने इसे सोशल मीडिया पर फैलाना शुरू कर दिया। सीनेट में डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने कहा कि ट्रंप का जनता के प्रति तिरस्कार की कोई सीमा नहीं है। वहीं, हकीम जेफरीज ने तंज कसा कि ट्रंप को महंगाई से उतना ही प्यार है जितना वह खुद से करते हैं। ट्रंप ने किया अपुष्टि दावा? इस सबके बीच ट्रंप ने अपनी सफाई में कहा कि ऊंची कीमतों की वजह ईरान के साथ चल रहा युद्ध है, जिससे ऊर्जा की लागत बढ़ गई है। उन्होंने अपुष्टि दावा किया कि एक गुप्त सैन्य अभियान के जरिए राहत पहुंचाने का काम शुरू हो चुका है। ट्रंप के अनुसार, इस अभियान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से 100 मिलियन बैरल तेल निकाला है। यह समुद्री रास्ता युद्ध की वजह से फरवरी के अंत से बंद पड़ा था। ट्रंप ने कहा कि हर रात लाखों बैरल तेल निकाला जा रहा है और इसी वजह से तेल की कीमतें 110 डॉलर से गिरकर 90 डॉलर के नीचे आ गई हैं। हालांकि, बाजार ट्रंप के इन दावों को लेकर बहुत सावधान है। बुधवार को कच्चे तेल की कीमतें करीब चार प्रतिशत बढ़कर 92 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं। व्हाइट हाउस ने बताया कि मई में नई गाड़ियों और दवाओं जैसी कुछ चीजों के दाम जरूर कम हुए हैं, लेकिन लोगों की कमाई के मुकाबले खर्च अब भी ज्यादा है। ऊर्जा सचिव क्रिस राइट ने भी कहा कि वह कम महंगाई को ही पसंद करेंगे। उन्होंने ट्रंप को एक प्रभावशाली और बढ़ा–चढ़ाकर बात करने वाला नेता बताया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

'होर्मुज सभी जहाजों के लिए बंद है', बढ़ते तनाव के बीच ईरानी सेना का बड़ा एलान

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक होर्मुज जलडमरूमध्य को सभी जहाजों के लिए बंद करने का एलान किया है। ईरान ने चेतावनी दी है कि इस मार्ग से गुजरने की कोशिश करने वाले किसी भी जहाज को निशाना बनाया जा सकता है। आईआरजीसी ने अपने बयान में कहा कि क्षेत्र में बढ़ती असुरक्षा और अमेरिका के नए सैन्य हमलों के बाद यह फैसला लिया गया है।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।